वर्ष-10 अंक-310 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, मंगलवार 26 फरवरी 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10

संक्षिप्त समाचार

सीएम रेखा गुप्ता ने अपने आवास पर की लोगों से मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने आवास पर सोमवार को लोगों से मुलाकात की। जहां बड़ी संख्या में लोगों ने सीएम बनने पर बधाई दी।

दिल्ली में भाजपा विधायक दल की नेता रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनने पर लगातार बधाईयां मिल रही हैं। सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने आवास पर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देने के लिए पहुंचे। बीते रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से कहा कि दिल्ली सरकार का खजाना खाली है। पिछली सरकार खजाना खाली छोड़कर गई है, लेकिन हम महिलाओं को 2500 रुपये जरूर देंगे। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा खजाना खाली होने का बहाना न बनाए। दिल्ली वालों से किए गए वादे पूरे किए जाएं।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आप की पूर्व सरकार खजाना खाली छोड़कर गई है। हम चार दिनों से अलग-अलग चरणों में कई बैठकें कर रहे हैं। जब अधिकारियों के साथ बैठते हैं और सरकार की मौजूदा वित्तीय स्थिति की जांच करते हैं, तो पता चलता है कि पिछली सरकार की ओर से छोड़ी गई स्थिति के कारण खजाना पूरी तरह से खाली है दइसके बावजूद हम महिलाओं को सम्मान राशि जरूर देंगे। 1000 फीसदी इस वादे को पूरा करेंगे। ढाई हजार रुपये मासिक भुगतान को विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा। इस योजना को लागू करने के लिए अधिकारियों से कई बैठकें हुईं हैं।मुख्यमंत्री ने आप और कांग्रेस पर दिल्ली के लोगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने 15 साल तक दिल्ली पर शासन किया। इसके बाद आप 11 साल तक सत्ता में रही। इसके बावजूद उन्होंने कभी दिल्ली के लोगों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया।

वैश्विक खेल शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा भारत, खेलो इंडिया ने दी खिलाड़ियों को पहचान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों के यादगार प्रदर्शनों की देश-भर में खूब चर्चा हो रही है। उन्होंने सबसे

ज्यादा स्वर्ण जीतने वाली भारतीय सशस्त्र बलों की टीम सर्विसेज को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन खेलों में भाग लेने वाले बहुत से खिलाड़ी खेलो-इंडिया अभियान की देन हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के लिए उत्तराखंड की सराहना की। साथ ही यादगार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सराहा। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा खिलाड़ियों की दृढ़ता एवं उनके अनुशासन की बदौलत भारत तेजी से वैश्विक खेल शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों में 11,000 से अधिक खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।?आयोजन ने देवभूमि के नए स्वरूप को पेश किया। उत्तराखंड देश में खेलों के मजबूत बल के रूप में भी उभर रहा है। इन खेलों ने दिखाया कि कभी हार न मानने वाले जीतते जरूर हैं।पीएम ने कहा, उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन किया। राज्य 7वें स्थान पर रहा। यही तो खेलों की ताकत है, जो व्यक्ति विशेष और समुदाय के साथ पूरे राज्य का कायाकल्प कर देती है। युवा एथलीटों की दृढ़ता और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि आरामतलबी के साथ कोई चैंपियन नहीं बनता। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों के यादगार प्रदर्शनों की देश-भर में खूब चर्चा हो रही है। उन्होंने सबसे ज्यादा स्वर्ण जीतने वाली भारतीय सशस्त्र बलों की टीम सर्विसेज को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन खेलों में भाग लेने वाले बहुत से खिलाड़ी खेलो-इंडिया अभियान की देन हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल, महाराष्ट्र के किरण मात्रे, तेजस शिरसे और आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी का जिक्र करते हुए कहा कि इन्होंने देश को नई उम्मीदें दी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव और हरियाणा की ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा और कर्नाटक की तैराक धिनिधि देसिन्धु ने देशवासियों का दिल जीता। पीएम ने कहा कि इस बार किशोर चैंपियंस ने भी हैरान किया। निशानेबाज गेविन (15 साल), यूपी की हैमर थ्रो खिलाड़ी अनुष्का (16) व मप्र के पोल वाल्टर देव कुमार मीणा (19) ने साबित किया कि भारत में खेलों का भविष्य बेहद प्रतिभावान पीढ़ी के हाथों में है।

खिलाड़ियों के लिए यमुना किनारे बनी इस इमारत से चलता है दिल्ली का शासन, इसीलिए नाम है प्लेयर्स बिल्डिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। होटल की तर्ज पर डिजाइन की गई इस इमारत को लगभग ढाई दशक पहले दिल्ली सचिवालय के रूप में पुनर्निर्मित

किया गया। इससे पहले दिल्ली सचिवालय सिविल लाइन्स स्थित दिल्ली विधानसभा भवन में था। दिल्ली का शासन उस इमारत से चलता है, जो कभी खिलाड़ियों के लिए बनाई गई थी। इसका नाम प्लेयर्स बिल्डिंग है। वर्ष 1982 के एशियाई खेलों के समय इसे बनाया गया था। यमुना किनारे आईटीओ के पास स्थित इस इमारत को अब दिल्ली की राजनीति और शासन का प्रमुख केंद्र माना जाता है। होटल की तर्ज पर डिजाइन की गई इस इमारत को लगभग ढाई दशक पहले दिल्ली सचिवालय के रूप में पुनर्निर्मित किया गया। इससे पहले दिल्ली सचिवालय सिविल लाइन्स स्थित दिल्ली विधानसभा भवन में था।दिल्ली सरकार की सत्ता का केंद्र बन चुकी इस दस मंजिला प्लेयर्स बिल्डिंग पर विभिन्न स्तरों की शक्ति और शासन की संरचना देखी जा सकती है। हर मंजिल पर सत्ता की एक नई परत उभरती है, जो आज दिल्ली की राजनीति का दिलचस्प और जटिल रूप प्रस्तुत करती है। सचिवालय की तीसरी मंजिल पर मुख्यमंत्री का कार्यालय है। यही वह मंजिल है जहां दिल्ली सरकार की कैबिनेट मीटिंग होती हैं और जहां मुख्यमंत्री के दफ्तर की सभी महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित होती हैं।मुख्यमंत्री की गाड़ी दूसरी मंजिल पर रुकती है और वे सीढ़ियों के रास्ते तीसरी मंजिल तक जाती हैं, जो इस इमारत में सत्ता का प्रमुख केंद्र है। चौथी और पांचवीं मंजिल पर किसी मंत्री का दफ्तर नहीं है। यहां पर दिल्ली के वित्त और विजिलेंस विभाग स्थित हैं। ये विभाग प्रशासनिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये सत्ता के वित्तीय और निगरानी पक्ष को दर्शाते हैं। इसके अलावा, पांचवीं मंजिल पर दिल्ली के मुख्य सचिव का कार्यालय है, जबकि पीडब्ल्यूडी सचिव का दफ्तर भी यहीं है। सचिवालय की छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर मंत्रियों के दफ्तर हैं। हालांकि, इन मंजिलों पर एक दिलचस्प बदलाव आया जब अरविंद केजरीवाल सरकार ने उपमुख्यमंत्री का पद गठित कर इस पद पर मनीष सिसोदिया को नियुक्त किया था।

जाति- पंथ और भाषा से ऊपर उठकर समाज में सद्भाव बढ़ाने की ज़रूरत', आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आरएसएस के सरसंघचालक भागवत ने सामाजिक बदलाव के लिए पंच परिवर्तन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक प्रगति के लिए यह आवश्यक पांच प्रमुख

परिवर्तन हैं। इनमें सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी प्रथाएं और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन के सभी स्वयंसेवकों से जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा से परे विभिन्न समूहों के बीच मैत्री बढ़ाने के लिए काम करने की अपील की है। रविवार को यहां एक बौद्धिक कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक समाज के कल्याण के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं।आरएसएस के सरसंघचालक भागवत ने सामाजिक बदलाव के लिए पंच परिवर्तन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक प्रगति के लिए यह आवश्यक पांच प्रमुख परिवर्तन हैं। इनमें सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी प्रथाएं और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी हिंदुओं को आपसी सम्मान और सहयोग के माध्यम से विभिन्न उपयोगों के लिए समान मंदिर, श्मशान और जल को साझा करना चाहिए।आरएसएस की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, भागवत ने कहा कि समाज में विभिन्न जातीय समूहों के बीच सतत सांप्रदायिक सद्भाव और रिश्तेदारों और कुलों के बीच सद्भावना ही राष्ट्र को सकारात्मक दिशा और परिणाम की ओर ले जाएगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए पूरे समाज को जल संरक्षण, पौधारोपण और प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग न करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।साथ ही संघ प्रमुख ने कहा कि हर भारतीय को भोजन, आवास, यात्रा और यहां तक आत्म-अभिव्यक्ति से मेल खाने वाली भाषा का उपयोग करना चाहिए। दैनिक कार्यों में विदेशी भाषा का उपयोग करने के बजाय मातृभाषा में बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने फिर कहा कि नागरिकों को पारंपरिक सामाजिक मानदंडों का पालन करना चाहिए। संघ प्रमुख असम के छह दिन के दौरे पर हैं।

केरल में ट्रेन को पलटाने की साजिश, रेलवे ट्रैक पर रखा टेलीफोन पोस्ट, दो आरोपी किए गए गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एक स्थानीय निवासी ने नेदुम्बायिकुलम में पुराने फायर स्टेशन के पास रात करीब 1:30 बजे रेलवे ट्रैक पर टेलीफोन पोस्ट देखा और उन्हें सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और टेलीफोन पोस्ट को हटाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। केरल में ट्रेन हादसे की साजिश की गई। कुंदरा और इलंबल्लूर के अरुण (39) के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 327 (रेल, विमान, जहाज या बीस टन वाले जहाज को नष्ट करने और असुरक्षित करने के इरादे की शरारत करने) और रेलवे एक्ट की धारा 150 और 153 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने टेलीफोन पोल से कास्ट आयरन तोड़कर उसे

इलाके में रेलवे ट्रैक पर टेलीफोन पोस्ट रख दिया गया। मामले में पुलिस ने सजगता दिखाते हुए टेलीफोन पोस्ट को ट्रैक से हटाया। साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी कोल्लम जाने वाली पलारुवी एक्सप्रेस को पटरी से उतारना चाहते थे। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एक स्थानीय निवासी ने नेदुम्बायिकुलम में पुराने फायर स्टेशन के पास रात करीब 1:30 बजे रेलवे ट्रैक पर टेलीफोन पोस्ट देखा और उन्हें सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और टेलीफोन पोस्ट को हटाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान पेरुम्पुझा के राजेश (33) चुराने के इरादे से ट्रैक पर रखा था। वह कोल्लम जाने वाली पलारुवी एक्सप्रेस को पटरी से उतारना चाहते थे। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने टेलीफोन पोस्ट को ट्रैक पर रखा था, उनका मानना था कि पोस्ट सुबह की ट्रेन से टूट जाएगा। उन्होंने दो बार ऐसा किया।दोनों आरोपियों का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस ने बताया कि एक आरोपी कुछ साल पहले एक आरोपी पुलिस सब-इंस्पेक्टर पर हमला करने के मामले में शामिल था। जबकि दूसरे आरोपी के खिलाफ 11 अन्य मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कई राष्ट्रीय एजेंसियों ने उनसे पूछताछ की थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना में और लोग शामिल थे या नहीं।

शौचालय में बैठकर चलाते हैं फोन तो सावधान हो जाएं

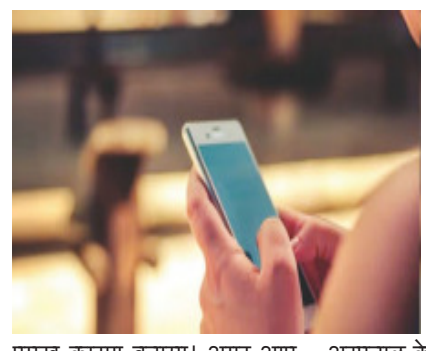

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक वर्ष में बवासीर और फिस्टुला के 500 से अधिक मामले सामने आए हैं। उन्होंने खराब जीवनशैली की आदतों, जैसे कम पानी पीना, जंक फूड का अत्यधिक सेवन और शौचालय में अधिक समय बिताने को इसके

प्रमुख कारण बताया। अगर आप भी शौचालय में बैठकर देर तक मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं तो सावधान हो जाएं। डॉक्टरों का कहना है कि इस आदत के चलते बवासीर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। चिकित्सकों का कहना है कि इस आदत के साथ निष्क्रिय जीवनशैली और खराब आहार के कारण मलाशय की नसों पर अधिक दबाव पड़ता है। इसके चलते मलाशय क्षेत्र में दर्द होने लगता है। इस वजह से हैमरॉयड्स यानी पाइल्स यानी बवासीर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में अक्सर तुरंत चिकित्सा की जरूरत पड़ती है। मुंबई के ग्लेनईगल्स अस्पताल के वरिष्ठ रोबोटिक और लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. जिग्नेश गांधी ने इस समस्या को निष्क्रिय जीवनशैली और शौचालय में अत्यधिक फोन के इस्तेमाल से जोड़ा है। डॉ. गांधी ने ओखला में ईएसआईसी अस्पताल में विस्तार से इस समस्या की तरफ ध्यान दिलाया। ईएसआईसी अस्पताल के सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. रवि रंजन ने बताया कि एक वर्ष में बवासीर और फिस्टुला के 500 से अधिक मामले सामने आए हैं। उन्होंने खराब जीवनशैली की आदतों, जैसे कम पानी पीना, जंक फूड का अत्यधिक सेवन और शौचालय में अधिक समय बिताने को इसके प्रमुख कारण बताया। मारेंगो एशिया अस्पताल के सर्जन डॉ. बीरबल ने बताया, खराब आहार से होने वाला पुराना कब्ज और शौचालय में लंबे समय तक बैठे रहने से एक दुष्चक्र बन जाता है। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या से सरकारी अस्पतालों पर दबाव बढ़ रहा है। विशेषज्ञों ने बीमारी की चपेट में आने पर उपचार के लिए स्थानीय एनेस्थीसिया (राफेलो) के तहत बवासीर के रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन जैसी न्यूनतम प्रक्रियाओं को भी उपयोगी बताया। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से अनुमोदित व ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में व्यापक रूप से इस्तेमाल राफेलो प्रक्रिया, पारंपरिक शल्य चिकित्सा पद्धतियों की तुलना में काफी कारगर है।

भारत की जीत के बाद देश में दिवाली जैसा माहौल; शाह ममता ने दी शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान पर भारत की जीत से देश में दिवाली जैसा महौल है। हर कोई एक दूसरे को इस जीत की बधाई देकर टीम इंडिया की विजयी रथ की सराहना रहा है। इतना हीं नहीं भारत की

इस जीत पर देश के गृह मंत्री अमित शाह और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी टीम इंडिया को बढ़ाई दी है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए शानदार मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को करारी हार देकर 2017 चैंपियनस ट्रॉपी की फाइनल में हार का बदला लिया। भारत की इस जीत से देशभर में दिवाली का महौल है। लोगों की खुशी का दूसरा सबसे बड़ा कारण ये भी है कि विराट कोहली ने एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाया। बता दें कि कोहली ने 111 गेंदों में 100 रन बनाकर नाबाद रहकर भारत को जीत दिलाई। भारत की इस जीत पर गृह मंत्री अमित शाह ने टीम इंडिया को बधाई दी और उनकी बेहतरीन खेल प्रदर्शन की सराहना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमित शाह ने लिखा कि ठशानदार प्रदर्शन!! बहुत बढ़िया खेला टीम इंडिया। आपने दुनिया भर के लाखों क्रिकेट प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरा उतरकर सभी को गौरवान्वित किया है। उन्होंने आगे कहा कि आपके भविष्य के मैचों के लिए मेरी शुभकामनाएं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी भारतीय टीम की जीत पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान पर हमारे खिलाड़ियों की शानदार जीत पर खुशी महसूस कर रही हूं। इस मैच में शानदार जीत के लिए भारतीय टीम को बधाई। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने भारतीय क्रिकेट टीम को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान पर शानदार जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत बधाई। यह 140 करोड़ भारतीयों की प्रार्थनाओं और हमारी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम पहली गेंद से ही हावी रही और विराट कोहली का शतक भी देखने को मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और चैंपियंस ट्रॉफी जीतें।

जल प्रदूषित किया तो हर रोज 10 हजार तक का जुर्माना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विधानसभा सत्र में केंद्र सरकार का वाटर एक्ट-2024 संशोधित अधिनियम पारित हुआ। अधिनियम में विभिन्न इकाइयों के जल निस्तारण के लिए राज्य पीसीबी से अनुमति लेने का प्रावधान किया गया। विधानसभा सत्र में भारत सरकार का जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) संशोधन अधिनियम-2024 विधेयक पारित हो गया है। इसके कानून बनने के बाद जल प्रदूषित करने वालों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। विधेयक में निर्णायक अधिकारी नियुक्त किए जाने का भी प्रावधान किया गया है, जो जुर्माना लगाएगा। अभी तक राज्य में जल प्रदूषण को लेकर निगरानी और कार्रवाई राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से की जाती है। पीसीबी जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम-1974 के तहत कार्रवाई करता है। इस अधिनियम में विभिन्न इकाइयों के जल निस्तारण के लिए राज्य पीसीबी से अनुमति लेने का प्रावधान किया गया।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, कल से जम्मू-कश्मीर-हिमाचल और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तरी ईरान और आसपास के क्षेत्र में एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर पश्चिम भारत में मौसम में बदलाव आएगा। 25 से 28 फरवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, 26 से 28 फरवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश और 27 व 28 फरवरी को उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 25 फरवरी से मौसम के मिजाज में फिर बदलाव होने जा रहा है। इन राज्यों के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी के साथ मैदानी क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत में अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर असम समेत सभी राज्यों में हल्की बारिश हो सकती है। रविवार को भी उत्तर पश्चिम भारत से लेकर पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत तक कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई और हवाएं भी चलीं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तरी ईरान और आसपास के क्षेत्र में एक

ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर पश्चिम भारत में मौसम में बदलाव आएगा। 25 से 28 फरवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, 26 से 28 फरवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश और 27 व 28 फरवरी को उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। 26 फरवरी से 1 मार्च के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इसके अलावा पूर्वी हवाओं के सक्रिय होने से 25 और 26 फरवरी को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भी कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। उधर, आईएमडी की तरफ से रविवार सुबह 8:30 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर बारिश हुई।कहा गया है। हालांकि, कृषि और बागवानी के लिए मौसम का यह बदला मिजाज ठीक रहेगा, क्योंकि इससे तापमान में गिरावट आएगी। हिमाचल प्रदेश में रविवार को मौसम साफ रहा, लेकिन मंगलवार से अगले पांच दिन बहुत खराब मौसम का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार से पांच दिन तक भारी बारिश और बर्फबारी का यलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को ताबो में तापमान शून्य से 7.0 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया, वहीं शिमला का न्यूनतम तापमान भी 5.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मनाली में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लाहौल-स्पीति में धूप खिलने के बाद हिमखंड गिरने का खतरा बना हुआ है। रविवार को राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों में धूप खिली रही। इससे शीतलहर कुछ कम हुई। हालांकि, मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छाया रहा। वहीं, कुल्लू में उदयपुर-किलाड़ के बीच कडू नाला के पास भूस्खलन के चलते मार्ग बाधित हो गया है।

महाकुम्भ-2025 संगम क्षेत्र में केवट के राम का मंचन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। नगर की सुपरिचित संस्था ठइंडियन फोक एंड मॉर्डन आर्ट अकादमीठप्रयागराज के माध्यम से निर्देशक श्री कुंवर तेज भानु सिंह के निर्देशन में लोककला राधे श्याम शैली पर आधारित प्रस्तुति ठकेवट के राम ठका मंचन महाकुम्भ-2025 के पावन अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवम् भारतेंदु नाट्य अकादमी लखनऊ के द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रमों की श्रंखला में आज दिनांक 24 फरवरी 2025 को महाकुंभ 2025 मेला क्षेत्र राजमाता अहिल्या बाई होलकर मंच पर किया गया. नाटक की परिकल्पना व संगीत निर्देशन कुंवर तेजभानु सिंह तथा सहनिर्देशन देवेंद्र सिंह का रहा । मानस की चौपाइयों पर आधारित राधे श्याम शैली की इस प्रस्तुति को उपस्थित श्रद्धालुओं के सम्मुख मंचस्थ किया गया. मंच

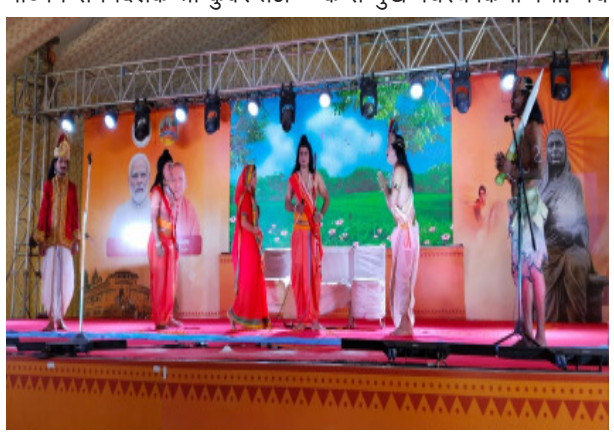

पर जिन कलाकारों ने अभिनय किया उनमे - करण सिंह (राम), देवेन्द्र (लक्ष्मण), हेमलता साहू (सीता), जीतेन्द्र सिंह (सुमंत), शिवेंद्र वैश्य(निषाद राज) आदिवासी में कुंवर सूर्यभानु सिंह,, युवराज सिंह, दूध नाथ विश्वकर्मा(केवट) आदि.वहीँ मंच परे कुंवर तेज भानु सिंह को (हरमोनियम), संदीप कुमार (ढोलक), ममता सिंह (रूप सज्जा), प्रस्तुति प्रबंधक(सुरेंद्र त्रिपाठी), अमिता शर्मा(वस्त्र विन्यास), देवी चरण पाण्डेय (मंच व हस्त सामग्री)।

विशेष प्लेन से आए शासन के तीन अफसर, शिव मंदिरों की सुरक्षा बेहतर करने पर दिया जोर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ के इस दिव्य और भव्य आयोजन में महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। महाकुंभ के इस दिव्य और भव्य आयोजन में महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। जिसके तहत स्वास्थ्य और सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले टॉप के अधिकारियों उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष आशीष गोयल, एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश और राहत आयुक्त भानुचंद्र गोस्वामी को विशेष प्लेन से मंगलवार की सुबह भेजकर उन्हें मेला क्षेत्र में 24 घंटे मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। जिससे श्रद्धालु निर्बाध रूप से पवित्र स्नान और धार्मिक अनुष्ठान कर सकें।लखनऊ से महाकुंभ नगर में पहुंचते ही शासन से आए अधिकारियों ने मेला प्राधिकरण कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर मेले के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान को लेकर तैयारियों के बारे में पूछा।

ट्राइपॉड, कैमरा, वायरलेस माइक के साथ महाकुंभ में डिजिटल बाबा का अनोखा अंदाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। गोरखपुर में पले बढ़े बी. काम. तक की पढ़ाई पूरी कर वर्ष 2008 में अयोध्या के लोमश ऋषि आश्रम के महंत स्वामी शिवचरण दास महाराज से दीक्षा प्राप्त कर डिजिटल बाबा राम प्रकाश भट्ट से स्वामी राम शंकर दास बन गए। कुंभ मेला में डिजिटल बाबा के नाम से मशहूर स्वामी राम शंकर महराज की सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए रोचक कार्यशैली शैली संगम के किनारे मौजूद युवा पीढ़ी से अनोखे अंदाज में रूबरू होते नजर आए डिजिटल बाबा स्वामी राम शंकर महराज धर्म, अध्यात्म,कुंभ, जीवन मे भक्ति का महत्व इन बातों पर प्रकाश डालते हुए इनके महत्व को बहुत ही सरल भाषा मे युवा वर्ग को समझा रहे हैं। डिजिटल बाबा के नाम से मशहूर आध्यत्मिक गुरु स्वामी राम शंकर महाराज छह जनवरी को पहुंचे प्रयागराज।डिजिटल युग में डिजिटल बाबा का लोगों से डिजिटल रूबरू होने का अंदाज बेहद निराला हैं। हाथ में ट्राइपॉड, कैमरा, वायरलेस माइक लिए कुंभ के पलों को पूरी दुनिया के समक्ष अपने सोशल मीडिया पेज पर लाइव कर रहें है इतना ही नहीं सामान्य

व्यक्ति के समान बिना ताम झाम के दिन भर डिजिटल बाबा कुंभ में आए साधु संतों एवं श्रद्धालु जनों से मुखातिब हो रहे लोगों से हो रही बातचीत को सोशल मीडिया में बड़ी तत्परता से साझा भी कर रहे हैं। डिजिटल बाबा का कुंभ मेला पर कवरेज बेहद ज्ञानवर्धक रुचिकर एवं आकर्षक हो रहा हैं।गोरखपुर में पले बढ़े बी. काम. तक की पढ़ाई पूरी कर वर्ष 2008 में अयोध्या के लोमश ऋषि आश्रम के महंत स्वामी शिवचरण दास महाराज से दीक्षा प्राप्त कर डिजिटल बाबा राम प्रकाश भट्ट से स्वामी राम शंकर दास बन गए। इन्होंने भारतवर्ष के विभिन्न गुरुकुल जैसे वानप्रस्थ साधक ग्राम आश्रम साबरकांठा गुजरात, कलवा गुरुकुल जींद हरियाणा, संदीपनी हिमालय गुरुकुल चिन्मय मिशन धर्मशाला हिमाचल, बिहार स्कूल ऑफ योगा रिखियापीठ देवघर झारखंड, कैवल्यधाम योग संस्थान लोनावला महाराष्ट्र आदि स्कूलो में रह कर सात वर्षों तक सनातन धर्म के शास्त्रों, उपनिषद, रामायण, श्रीमद्भागवत गीता अद्वैत-वेदांत का भली-भांति अध्ययन किया। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में रह का संगीत की शिक्षा हासिल की। 2017 से डिजिटल बाबा हिमाचल प्रदेश के बैजनाथ धाम में रह का अपनी आध्यत्मिक उन्नति के लिए साधनारत हैं। स्वामी राम शंकर (डिजिटल बाबा) देश भर में श्रीरामकथा एवं श्रीमद्भागवत कथा व वेदांत के प्रवचन ज्ञान सत्र में ज्ञान प्रदान करने जाते रहते हैं। डिजिटल बाबा के फेसबुक पेज पर करीब तीन लाख 50 हजार लोग फॉलो करते हैं। कुंभ मेला में डिजिटल बाबा का अनूठा व्यक्तित्व सबके बीच आकर्षण एवं कौतूहल का विषय बना हुआ है।डिजिटल बाबा कहते हैं कि मेरा उद्देश्य युवा पीढ़ी के साथ जुड़ कर उन्हें आध्यात्मिक मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करना है, क्योंकि आध्यात्म ज्ञान ही हमारे भटकाव को दूर कर हमारे जीवन को पूर्णता प्रदान करती है। ध्यान रहे चमत्कार से लोग आकर्षित हो सकते हैं पर आत्मा की तृप्ति के लिये आत्मज्ञान ही एकमात्र साधन है। चमत्कार देख कर लोग नमस्कर तो करते हैं पर जब सबकी अपेक्षा पूरी नहीं होती तो लोग चमत्कार दिखाने वाले कि उपेक्षा करना आरंभ करते हैं। कोई मनुष्य चमत्कार एक निश्चित सीमा तक प्रदर्शित कर सकता है, पर उस चमत्कार से किसी का जीवन नहीं बदलता जीवन बदलता है उत्तम समझ विचार से आज नहीं तो कल सबको सब प्रपंच छोड़कर अपने आपको को जानने में लगना पड़ेगा तभी जाकर हम जन्म मरण के चक्र से छूट पाएंगे हैं। डिजिटल बाबा कहते हैं कि आजकल का युवा सोशल मीडिया में उलझ गया है। ऐसे में उसी झाल में बैठ कर उन्हें जीवन के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान उनके बीच साझा करता रहता हूं। सबसे खास बात यह है कि डिजिटल बाबा अपने भक्तों से सीधा संवाद करते हैं हर कोई बाबा से बात कर सकता बाबा से आसानी से मिल सकता हैं। दिलचस्प बात यह है कि विद्यार्थी जीवन मे बाबा एनसीसी कैडेट रहे हैं और रंगमंचों पर नाटकों में खूब अभिनय किये हैं। कभी फिल्मों में काम करने का शौक रखने वाला यह कलाकार अपने जीवन के 20 वर्ष में पूर्ण रूप से आध्यात्म मार्ग का पथिक बन गया। डिजिटल बाबा कहते हैं जीवन मे सब तय है किसके जीवन मे कब कहा क्या होगा। हमने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन हम आध्यत्मिक जीवन में होंगे , हमे नहीं मालूम था कि हम कथा वाचक बन कर लोगों को भक्ति मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगे। डिजिटल बाबा पिछले 15 वर्ष से ब्रह्मचारी जीवन में रहते हुए आध्यत्मिक मार्ग में साधनारत हैं।

महाशिवरात्रि के महास्नान से पूर्व उमड़े करोड़ों श्रद्धालु, संख्या 64 करोड़ पार, अफसर अलर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकुंभ अपने चरम पर पहुंच चुका है। 144 साल बाद बने इस अद्भुत संयोग का साक्षी बनने के लिए करोड़ों श्रद्धालु संगम तट पर उमड़ पड़े हैं। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकुंभ अपने चरम पर पहुंच चुका है। 144 साल बाद बने इस अद्भुत संयोग का साक्षी बनने के लिए करोड़ों श्रद्धालु संगम तट पर उमड़ पड़े हैं। मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में रोज सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगाकर शांति और मोक्ष की कामना कर रहे हैं। यही नहीं, 10 दिनों से लगातार चढ़ रहे आस्था के इस महाज्वार को देखते हुए स्वास्थ्य और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। महाकुंभ में अब तक 64 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान के सहभागी बन चुके हैं। इसे देखते हुए महाशिवरात्रि पर यह आंकड़ा 66 करोड़ के पार हो जाने की संभावना है। सनातन धर्मावलंबी जितनी बड़ी संख्या में यहां पहुंचे हैं, उतने पूरी दुनिया में आज तक कहीं दूसरी जगह एक साथ एकत्र नहीं देखे गए। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा सात बार दो करोड़ के पार जा चुका है। पिछले 10 दिनों से हर दिन सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में पवित्र स्नान कर रहे हैं। जिससे महाकुंभ क्षेत्र के साथ साथ पूरे देश में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। यहां लोगों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महाकुंभ में पवित्र स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सात बार दो करोड़ के पार जा चुकी है। महाकुंभ में पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में देश के कोने कोने से लोग पहुंचे। यही नहीं विभिन्न

देशों से प्रयागराज आने वाले विदेशी श्रद्धालुओं की भी इनमें अच्छी खासी तादात रही है। बात सिर्फ प्रमुख स्नान की हो तो करीब 17 करोड़ से अधिक श्रद्धालु इस दौरान संगम तट पर पहुंचे और आस्था की डुबकी लगाई। हर अमृत स्नान पर महाकुंभनगर में जनसैलाब उमड़ा। प्रत्येक अमृत स्नान के मौके पर ढाई करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में डुबकी लगाकर अपने जीवन को धन्य किया। यही नहीं महाकुम्भ में ऐसा 12 बार हो चुका है जब गंगा स्नान करने वाले डेढ़ करोड़ लोगों की यहां संगम की रेत पर सहभागिता रही। महाकुंभ के इस दिव्य और भव्य आयोजन में महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। जिसके तहत स्वास्थ्य और सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले टॉप के अधिकारियों को पूरे मेला क्षेत्र में 24 घंटे मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। जिससे श्रद्धालु निर्बाध रूप से पवित्र स्नान और धार्मिक अनुष्ठान कर सकें।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

भारत

काशी में गदा- तलवार लेकर निकले नागा साधु, हर-हर महादेव का उद्घोष; यहां देखें- अद्भुत नजारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। काशी में महाशिवरात्रि पर भक्तों के साथ ही अखाड़ों के साधु-संतों का सैलाब उमड़ पड़ा। बुधवार की सुबह से गोदौलिया क्षेत्र हर- हर महादेव के जयकारे से गूंज रहा है। महाशिवरात्रि पर बुधवार को काशी में प्रयागराज महाकुंभ जैसा नजारा दिखा। हनुमान घाट से बाबा के धाम तक श्रद्धालुओं ने दिव्य और भव्य नजारे का दर्शन किया। यह पहला मौका था, जब नागा साधु-संन्यासियों ने काशी विश्वनाथ धाम में गेट नंबर चार यानी ज्ञानवापी मार्ग से प्रवेश किया। हर-हर महादेव का जयकारा लगाते हुए नागा संन्यासियों की टोली धाम में पहुंची। इससे पहले नागा संन्यासियों को ढुंढिराज गणेश मार्ग से मंदिर परिसर में प्रवेश मिलता था। काशी विश्वनाथ धाम में पुष्पवर्षा के साथ नागा संन्यासियों का स्वागत किया गया। इस दौरान सभी अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। नागा संन्यासियों के सात अखाडों ने महाशिवरात्रि पर अपने आराध्य बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। आचार्य महामंडलेश्वर की अगुवाई में नागा साधु-संन्यासी बग्घी, घोड़े और वाहनों पर सवार होकर अखाड़ों से निकले। गंगा की लहरों, काशी की गलियों में डमरू की निनाद और शंखनाद के साथ नागा संन्यासियों की पेशवाई निकली तो लोग हर- हर महादेव का जयकारे लगाते दिखे। महंत शंकर पुरी महाराज ने बताया कि यह पहला मौका है जब गेट नंबर चार से नागा संन्यासी काशी विश्वनाथ धाम में प्रवेश किया। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि, आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद गिरि, महानिर्वाणी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर विशोकानंद महाराज, सुमेरुपीठ के पीठाधीश्वर स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज राजसी यात्रा की अगुवाई में राजसी यात्रा (पेशवाई) निकाली गई।

नहाते समय पैर फिसलने से हुई घटना, नेपाल और राजस्थान से काशी घूमने आए थे पर्यटक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी जिले में मंगलवार को दो पर्यटकों की गंगा में डूबने से मौत हो गई। दोनों नेपाल व राजस्थान से काशी भ्रमण के लिए आए थे। घटना पंचगंगा घाट और सक्का घाट पर हुई। वाराणसी जिले की कोतवाली थाना अन्तर्गत पंचगंगा घाट पर मंगलवार को नेपाल से काशी घूमने आए राजेश श्रेष्ठ (32) की गहरे पानी में जाने से मौत हो गई। राजेश के साथ आए उसके दोस्तों ने घटना की सूचना आसपास मौजूद लोगों की मदद से पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और डीआरएफ की टीम की मदद से शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रखवाया गया। साथ ही घटना की सूचना परिजनों को दी गई। नेपाल के जिला दुआखुर निवासी राजेश श्रृष्ठ पुत्र प्रेम बहादुर अपने चार दोस्तों के साथ काशी घूमने आया था। मंगलवार सुबह सभी पंचगंगा घाट पहुंचे। राजेश के दोस्तों ने बताया कि गंगा स्नान कर सभी काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन करने जाने वाले थे। घाट पर नहाते वक्त राजेश का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। वहां मौजूद दोस्त जब तक उसे बचाने की कोशिश करते तब तक वह डूब गया। उधर, मामले को लेकर चौकी इंचार्ज प्रशांत गुप्ता ने बताया कि राजेश के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है। मृतक के बड़े भाई राजू वाराणसी के लिए निकल गए हैं। परिवार के आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। आदमपुर थाना क्षेत्र के सक्का घाट पर मंगलवार को राजस्थान से आए अनिल जी स्वामी (26) की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची आदमपुर पुलिस ने निजी गोताखोरों की मदद से युवक के शव को पानी से बाहर निकाला। नवी मंडी तहसील गड़साना (राजस्थान) निवासी अनिल के पिता भागीरथ स्वामी ने बताया कि परिवार के साथ वह काशी दर्शन के लिए आया था। सभी मच्छोदरी स्थित एक गेस्ट हाउस में ठहरे थे। सुबह अनिल और परिवार के लोग गंगा स्नान के लिए सक्का घाट पहुंचे थे। नहाते समय अनिल आगे चला गया। जिसके कारण वह डूब गया। अनिल को पानी में डूबता देख परिवार के लोगों ने शोर मचाया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। आदमपुर पुलिस युवक के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई कर रही है।

कबड्डी के लिए छोड़ी अग्निवीर की नौकरी, अब यूपी टीम से खेल रहे हरीश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी जिले के हरीश सिंह ने अग्निवीर में छह माह तक ट्रेनिंग के बाद छह महीने की नौकरी भी की, लेकिन छुट्टी नहीं मिली तो इस्तीफा देकर वाराणसी लौट आए। वाराणसी जिले के चांदमारी के रहने वाले हरीश सिंह ने केंद्रीय विद्यालय 39 जीटीसी में कबड्डी खेलना शुरू किया। तीन साल तक लगातार स्कूली नेशनल गेम में बनारस का नाम रोशन किया। अग्निवीर में छह माह तक ट्रेनिंग के बाद छह महीने की नौकरी भी की, लेकिन छुट्टी नहीं मिली तो इस्तीफा देकर वाराणसी लौट आए। हरीश ने बताया कि 2015 में सातवीं में पढ़ते थे, तब से कबड्डी खेलना शुरू किया। केवी के रीजनल स्पोर्ट्स में प्रतिभाग किया। 2016 से लगातार तीन साल तक केंद्रीय विद्यालय की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेला। आगे खेलने के लिए परिवार से अनुमति नहीं मिली। इसके बाद रेगुलर पढ़ाई छोड़ दी। घर वाले नहीं माने तो इंडियन रेलवे में कार्यरत बीरेंद्र पाल ने परिवार को समझाया। 2020 में मातेश्वरी क्लब बावन बीघा में खेलने का मौका मिला। सात घंटे रोज अभ्यास करते थे। मूलरूप से चंदौली के धानापुर के निगुरा निवासी हरीश ने लगातार दो साल तक चंदौली की ओर से स्टेट खेला। 2022 से बनारस से खेलना शुरू किया।अक्तूबर 2023 में परिजनों को बिना बताए बनारस लौटा। दोस्त पवन तिवारी ने कबड्डी टीम में चयन होने पर आठ हजार के जूते और किट दिलाई। रात में पेइंग गेस्ट हाउस में काम करता था, डाइट और पैसे भी मिलते थे। परिजनों को बताया तो वह नाराज हुए, लेकिन बाद में मान गए। 15 जून 2022 काला दिन था। प्रादेशिक मैच में हाथ की कलाई टूट गई थी। छह माह तक खेल से दूर रहना पड़ा। मां रीना सिंह और पिता उदय सिंह ने मनोबल बढ़ाया। लगता था कि अब सब खत्म हो गया। खेल नहीं पाउंगा। हालांकि, धीरे-धीरे रिकवर हुआ। नवंबर 2022 में ट्रैक पर लौटा तो से मानसिक मदद मिली। अग्निवीर जीडी दोस्तों से में भर्ती हुई तो। हजार महीने की सैलरी थी। नवंबर 2024 में नौकरी छोड़कर कबड्डी को अपना लिया।

महाशिवरात्रि के दिन ही निकलेगी शिव बरात, 43 साल की परंपरा नहीं टूटेगी, आम सहमति के बाद फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। महाशिवरात्रि के दिन ही निकलेगी शिव बरात। 43 साल पुरानी परंपरा नहीं टूटेगी और भक्तों को अब इसके भी दर्शन होंगे। बता दें कि पहले 27 को बरात निकालने का फैसला हुआ था जिसके बाद विवाद की स्थिति पैदा हो गई थी इस मामले को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल उठाए और राज्यमंत्री ने हस्तक्षेप करके विवाद को सुलझाया अब आम सहमति के बाद फैसला लिया गया महाशिवरात्रि पर शिव बरात निकालने की 43 साल पुरानी परंपरा चलती रहेगी। सभी समितियों की शिव बरात बुधवार की रात आठ बजे ही धूमधाम से निकलेगी। इससे पहले महाकुंभ के पलट प्रवाह को देखते हुए एक समिति ने 27 फरवरी को बरात निकालने का फैसला किया था। इस पर विवाद हुआ तो समितियों ने बैठक करके महाशिवरात्रि पर ही बरात निकालने का निर्णय ले लिया।शिव बरात निकालने पर समितियों के बीच विवाद हुआ। मामला यूपी सरकार के राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल के पास पहुंचा तो उन्होंने आयोजकों के साथ बैठक की। राज्यमंत्री ने बताया कि शिव बरात की तिथि में कोई बदलाव नहीं होगा। बरात महाशिवरात्रि पर निकलेगी। भीड़ की वजह से इसे एक दिन आगे बढ़ाने की कवायद हो रही थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। इस सिलसिले में आयोजन मंडल के पदाधिकारियों से बात हुई है। बरात काशी की परंपरा के अनुसार निकलेगी। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि बरात से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न होने पाए। महाशिवरात्रि के एक दिन बाद शिव बरात निकालने का कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन के दबाव में काशी में शिव बरात इस बार महाशिवरात्रि पर नहीं निकलेगी, जो काशी की मूल परंपरा से खिलवाड़ है। परंपरा के अनुसार बरात महामृत्युंजय मंदिर, दारानगर से उठकर मैदागिन, बुलानाला, चौक, बाबा धाम गोदौलिया होते हुए चितरंजन पार्क तक जाती है। वहां वधू-पक्ष भांग ठंडई, माला-फूल से बरातियों की अगवानी करते हैं। इसी परंपरा को भाजपा सरकार खत्म कर रही है। अस्सी, वरुणा, सारनाथ, लक्सा क्षेत्र में बरात समितियों ने महाशिवरात्रि पर बरात निकालने की तैयारियों को देर रात तक अंतिम रूप दिया। शिवगंगे सेवा समिति के संस्थापक राजेश कुमार ने बताया कि शिव बरात बैजनत्था मंदिर बिरदोपुर से निकलेगी बरात परंपरागत मार्ग श्री आदि शंकराचार्य नगर कॉलोनी से उठकर बैजनत्था रोड, विनायका चौराहा, कमच्छा, रथयात्रा, महमूरगंज, गिरी नगर कॉलोनी, बैजनत्था मंदिर के पीछे वाली गली से होते हुए बैजनत्था मंदिर पर पहुंच कर समाप्त होगी। बरात में बैंड, नगाड़ा, शहनाई, बग्घी, घोड़े, लाग, राम दरबार, कालभैरव नाथ, राधाकृष्ण की झांकी होगी। बरात की अगुवाई 11 किन्नर करेंगे।वहीं, लालकुटी व्यायामशाला से निकलने वाली शिवबरात के संयोजक अजय वर्मा ने बताया कि बुधवार को बरात लालकुटी व्यायामशाला से शाम छह बजे निकलेगी। रामापुरा, देवकीनंदन खत्री कोठी से गिरिजाघर चौराहे से लक्सा लौटेगी। तिलभांडेश्वर शिव बरात समिति के अध्यक्ष रामबाबू यादव ने बताया कि तिलभांडेश्वर मंदिर से दोपहर 12 बजे शिव बरात निकलेगी।देव दीपावली एवं शिव बरात पूजा ट्रस्ट के अध्यक्ष गणेश प्रसाद ने बताया कि शिव बरात की झांकी शाम छह बजे बलुआघाट धर्मशाला से निकलेगी। लाग विमानों के साथ बरात नगर के चारों ओर भ्रमण करेगी। वहीं, पिंडरा, फूलपुर, मंगारी, सिंधोरा व कुआर में शिव बरात निकाली जाएगी। क्षेत्र के मिराशाह स्थित शिव मंदिर, विविरछा रामपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर, नकतेश्वरी स्थित पिपलेश्वर महादेव व सिंधोरा स्थित महादेव मंदिर, नेवादा स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर मेला लगेगा। सिंधोरा स्थित प्राचीन शिव हनुमान मंदिर पर भंडारा होगा। उजाला दुर्गा पूजा समिति की ओर से भी शिव बरात निकलेगी।

सीएम योगी ने दिए निर्देश- महाशिवरात्रि पर सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता पर दें विशेष ध्यान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिवरात्रि पर शिवालयों के सामने काफी अस्थायी दुकानें लगती हैं। यह ध्यान रखना होगा कि किसी का कारोबार प्रभावित न हो लेकिन यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अस्थायी दुकानें इतनी दूरी पर रहें जिससे श्रद्धालुओं को मंदिरों में जाने में दिक्कत न हो। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर मंगलवार शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। सुरक्षा के एहसास के साथ किसी भी श्रद्धालु को कहीं असुविधा नहीं होनी चाहिए। साथ ही सभी शिवालयों और उनके आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक में सीएम योगी ने कहा कि महाशिवरात्रि देवाधिदेव महादेव की उपासना का महापर्व है। इस महापर्व पर गांव से लेकर शहर तक के सभी शिवालयों पर शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में उनकी आस्था का सम्मान करते हुए उनकी सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत के लिए विशेष प्रबंध किए जाने चाहिए। सुरक्षा के साथ बड़े शिवालयों के आसपास यातायात प्रबंधन पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस अफसरों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और यातायात पुलिस की तैनाती की जाएगी। शहर से लेकर देहात तक के शिवालयों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिवरात्रि पर शिवालयों के सामने काफी अस्थायी दुकानें लगती हैं। यह ध्यान रखना होगा कि किसी का कारोबार प्रभावित न हो लेकिन यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अस्थायी दुकानें इतनी दूरी पर रहें जिससे श्रद्धालुओं को मंदिरों में जाने में दिक्कत न हो।

बाबा श्री काशी विश्वनाथ धाम फूलों से सजा, रोशनी की चमक ने बिखेरी आभा, भक्त हुए आकर्षित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। महाशिवरात्रि को लेकर बाबा विश्वनाथ के मंदिर में साज सज्जा की भव्य तस्वीर दिखाई दे रही है। हर ओर फूलों की सजावट है। गेट नंबर 4 से गंगा द्वार तक महाशिवरात्रि के लिए की गई सजावट एवं इंतजामों का मंदिर के सीईओ ने मंगलवार को शाम जायजा लिया। उन्होंने व्यवस्था में लगे न्यास कार्मिकों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। महाशिवरात्रि के पूर्व दिवस पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में कतारबद्ध श्रद्धालुओं से संवाद कर इंतजामों का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कई बुजुर्ग श्रद्धालुओं के पैर में तकलीफ होने पर उनके सुगम दर्शन की व्यवस्था कराई। महादेव के दरबार में पहुंचे नन्हे भक्तों को भी महादेव के आशीर्वाद स्वरुप चॉकलेट, टाफी उपलब्ध कराया। मंदिर के सीईओ ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए 25 फरवरी से 27 फरवरी तक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सभी तरह के प्रोटोकॉल पर रोक लगायी गई है। धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, छाया समेत सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं जिससे श्रद्धालु कतारबध्य होकर आराम से श्री काशी विश्वनाथ महादेव का दर्शन लाभ प्राप्त कर सकें।

मनभावन सजावट देख श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो रहे हैं। मंदिर के सीईओ ने धाम में महाशिवरात्रि की तैयारियों का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए। महाशिवरात्रि के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम रंग- बिरंगी लाइटों से चमक और विभिन्न प्रकार के सुगंधित पुष्पों से गमक रहा है। महाशिवरात्रि के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दिव्य प्रांगण की भव्य आभा देखते ही बन रही है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के द्वार से लेकर सभी मंडपों, विग्रहों के मंदिरों की कई प्रजातियों के फूलों से आकर्षक सजावट की गई है। धाम का कोना- कोना विद्युत झालरों और रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग है।गेट नंबर- 4 से लेकर गंगा द्वार तक की गई मनभावन सजावट को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो रहे हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर

सोनभद्र, मिर्जापुर

महाराजा मेदिनी राय चेरो दूसरी स्थापना दिवस समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। महाराजा मेदिनी राय चेरो की 2वीं स्थापना दिवस मनाये जाने

के उपलक्ष्य में ग्राम निगाई (मेदिनी चौक)कोन सोनभद्र में भव्य सरहुल परब आदिवासी मेले का आयोजन किया गया। महाराजा मेदिनी की प्रतिमा पर संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि राम लाल सिंह चेरो(चेरो आदिवासी राजवंश जिलाध्यक्ष सोनभद्र) दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम व मेला का शुभारंभ किया।अन्य राज्यों से आये हुए तिथियों ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में चेरो राजवंश के राष्ट्रीय संरक्षक पंकज सिंह ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने उद्बोधन में कहा कि हमें मेदिनी जी की मार्गों पर चलकर आदिवासी समाज की दशा और दिशा को सुधारा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सबसे पहले समाज में फैली कुरुतियों जैसे नशा मुक्ति,अशिक्षा,बाल विवाह,दहेज प्रथा आदि ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा कर दूर करने की जरूरत है। कार्यक्रम में झारखंड से कबुतरी देवी चेरो, अजय सिंह चेरो,आशुतोष सिंह चेरो,योगेश्वर सिंह चेरो,जमुना सिंह चेरो,छोटन सिंह उत्तर प्रदेश से राकेश सिंह चेरो,राजेन्द्र सिंह, विनोद सिंह, भगवान गोंड,अमर सिंह गोंड,अनीता सिंह चेरो, राम नाथ सिंह चेरो,तेजू राम चेरो,मनोज चेरो,देवनाथ, बुद्धि नारायण,यदुनाथ,कृष्णा आर चेरो।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फांसी मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कस्बा चौकी क्षेत्र के चंडी

होटल के समीप एक मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की फांसी लगने से हुई मौत।वही कस्बा चौकी इंचार्ज कुंवर सिंह ने बताया कि राबर्ट्सगज के चंडी तिराहे के समीप संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगा ली, घटना के बाद परिजन युवक को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत्यु घोषित कर दिए परिजनो से मिली जानकारी के मुताबिक युवक प्रवीण कुमार 25 वर्ष पुत्र अशोक कुमार सिंह के घर वाले कुंभ स्नान करने प्रयागराज गए थे घटना के कुछ देर पहले ही उनकी युवक से बातचीत हुई लेकिन जब मृतक के चाचा घर पहुंचे तो युवक ने फांसी लगा ली थी घटना के बाद परिजन जिला अस्पताल युवक को लेकर पहुंचे लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुटी हुई है।

छोटे छोटे तिरंगा शाखा से संविधान लोकतंत्र बचाओ अभियान :रमेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शक्ति नगर सोनभद्र में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संविधान लोकतंत्र बचाओ अभियान के लिए संकल्प लिया गया। प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के आह्वान पर जिले भर में कार्यकर्ता छोटे छोटे तिरंगा शाखा लगाकर संविधान व लोकतंत्र बचाओ अभियान के चलाएंगे, जिले के कार्यकर्ता क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर आंदोलन और सार्वजनिक स्थानों पर साफ सफाई कर रचनात्मक काम करेंगे। संजय सिंह प्रदेश भर में 16 कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगे। 23 मार्च को लखनऊ में प्रांतीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए शक्तिनगर नगर कार्यकर्ता पहुंचेंगे है। मुख्यातिथि जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा देश प्रदेश की डबल इंजन सरकार में भारत की अस्मिता खतरे में है, मोदी के दोस्त अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर देश के युवा जो रोजी रोजगार की तलाश में अमेरिका गए थे किसी तरह हथकड़ी और बेड़ियों में जकड़कर, चेहरे पर अपराधियों की तरह नकाब लगाकर भारत में डिपोर्ट किया गया। ये देश के लिए शर्म की बात था विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संतोष त्यागी ने कहा

अदानी का मामला जो दो राष्ट्रों के नागरिकों के फ्राड का मामला है, मोदी जी उसे निजी मामला बताते है, लेकिन जब ळऍंछ की बात पर ट्रंप के बयान को राष्ट्र का निजी मामला नहीं बताते। इस दोहरे चरित्र दे देश की अस्मिता खराब हो रही है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे नगर अध्यक्ष परमेश्वर कुशवाहा ने कहा आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए हम कार्यकर्ता गांव गांव में तिरंगा शाखा आयोजित कर संगठन को मजबूती दिया जाएगा। बैठक में राम जी सिंह मौर्य, डॉ राम आसरे पटेल,राकेश भारती, शुभम मिश्रा, पवन शर्मा, राज कमल चौहान, सब्बीर अहमद, रवि प्रकाश राजभर, रतन कुशवाहा, अवनीश सिंह, राज कुमार ठाकुर, रणजीत सिंह, विष्णु प्रजापति, एस पी गुप्ता, विजय विश्वकर्मा, सुमित कुमार, अमित कुमार, मोहम्मद अल्ताफ अहमद, आदि शामिल रहे।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित है यह गांव किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिषद में सोमवार को दर्जनों की संख्या में ग्राम पंचायत बघुआरी के टोला गड़ौरा ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जिलाधिकारी नामित पत्र एडीएम को दिया। वही विष्णु कांत द्विवेदी के नेतृत्व में पहुंचे दर्जनों ग्रामीणों पहुंच पाती है क्योंकि हमारे टोला गड़ौरा तक पहुंचने के लिए कोई सड़क आज तक नहीं बनी है जबकि सरकार आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है कि आजादी के 75 वर्ष हो गए पर आज तक टोला गड़ौरा की जनता को पीने के लिए पानी बिजली शिक्षा चिकित्सा और रोड जो मनुष्य की मूलभूत जरूरत है हम सभी लोग इन योजनाओं के लिए पात्र हैं और तो और कोई हम लोगों के यहां अपने बेटी बेटा का शादी विवाह तक नहीं करना चाहता क्योंकि हमारे टोला गड़ौरा में जाने के लिए सड़क पानी बिजली शिक्षा चिकित्सा आदि सुविधा नहीं है जबकि इन योजनाओं की जरूरत हम लोगों को है भी फिर हम लोगों

ने बताया कि ग्राम पंचायत बघुआरी के टोला गड़ौरा की जनता आज भी उपरोक्त सभी सुविधाओं से वंचित है जबकि शासन प्रशासन द्वारा दावे किए जाते हैं कि सबके पास सड़क पानी बिजली शिक्षा चिकित्सा और सरकारी सुविधा मिल रही है देश विकास कर रहा है परंतु ग्राम पंचायत बघुआरी के टोला गड़ौरा में आज भी हम अशिक्षित गरीब जनता को पीने का पानी उपलब्ध नहीं है बिजली उपलब्ध नहीं है चिकित्सा और स्वास्थ्य से संबंधित मूलभूत सुविधाये भी नहीं मिल रही है, गर्भवती महिलाओं को इतनी दिक्कत होती है कि प्रसव पीड़ा में हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो जाती है और ये सत्य घटना है कोई काल्पनिक बात नहीं है हम गरीब असहाय जनता के पास 108 और 102 सरकार द्वारा चलाई गई एंबुलेंस सेवा नहीं पहुंच पाती है कोई विवाद हो जाए तो पुलिस नहीं नहीं मिल पा रहा है जबकि वोट लेने के लिए यहां नेता लोग बिना रास्ते के पगडंडी पकड़ कर चले आते हैं और बहुत दावे करते हैं पर हम सभी टोला गड़ौरा के ग्रामीण आज तक इन सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं जबकि देश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है रिंग रोड बनाए जा रहे हैं सड़कों का चौड़ी करण हो रहा है पर यहां सोनभद्र मुख्यालय और जिलाधिकारी महोदय के आवास के पीछे मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर टोला गड़ौरा की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है, महोदय इस जिले में राज्य मंत्री संजीव गोंड रहते हैं जो अनुसूचित जनजाति के हैं पर किसी को हम टोला गड़ौरा की जनता की समस्या नहीं दिखती है हम लोग बहुत दुःखी हैं हम लोगों को वृद्धा पेंशन विधवा और विकलांग पेंशन नहीं मिलती आवास नहीं मिलता शौचालय नहीं मिलता जबकि के साथ सरकार का शासन प्रशासन का जन प्रतिनिधियों का व्यवहार सौतेला क्यों हैं हम लोगों की मांग पूरी किया जाना आवश्यक और न्याय संगत है। ग्रामीणों ने बताया कि हम लोगों की उपरोक्त सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उपरोक्त सभी सुविधा दिलाए जाने हेतु शासन प्रशासन स्तर से उचित कार्यवाही कर हम गरीब असहाय जनता के हित में दया कर उपरोक्त सभी सुविधा दिलाए जाने हेतु उचित कार्यवाही करने की कृपा करें।ग्राम पंचायत बघुआरी के टोला गड़ौरा की समस्त पीड़ित जनता आपकी आभारी रहेगी। इस दौरान बाबा लाल, मोतीलाल, रामनाथ, विश्वनाथ, वकील, अवधेश, महेंद्र, अमरनाथ, तेजबली, प्रमोद, रामचंद्र, सोनी, सोनी कुलवंती, कुमारी हार्ट सैकड़ो महिला पुरुषों आदि उपस्थित रहें।

अधिकारियों के मिली भगत सस्ते गले कोटे की दुकान चयन आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को कर्म ब्लॉक क्षेत्र के कसया कला गांव निवासी समूह गया वहीं पूर्व में भी इस तरह की बैठक की गई जिसका विरोध करने पर वह कैंसिल कराया गया था पुन्ह दोबारा वह गलती अधिकारियों

की महिलाओं ने आरोप लगाया कि अधिकारियों व दूसरे समूह की महिलाओं द्वारा गलत तरीके से समूह का चयन करते हुए सस्ते गल्ले कोट्रे की दुकान का चयन कराया गया जिसके विरोध में प्रदर्शन करते हुए एडीएम को पत्र देकर मामले की जांच करने की उठाई मांग।समूह की महिलाओं में अंजू व पूजा ने बताया कि पिछले महीने के 28 29 तारीख को ग्राम पंचायत के दूसरे टोले में बैठक करके अधिकारियों द्वारा अपने चहिते व नए समूह के सखी को कोट्रे सस्ते गले की दुकान का चयन कराया के मिली भगत से की गई जिसमें 1 वर्ष पहले के समूह का नाम चयन के बाद काट कर चोरी छुपे बैठक कराकर सस्ते गल्ले कोट की दुकान का चयन कराया गया जिस संदर्भ में कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए मामले की जांच कर कर सही तरीके से समूह की महिलाओं को सस्ते गले कोट की दुकान का चयन कराया जाए इस मौके पर अंजलि विमल हीरावती विमल हीरावती पूजा भगवती अनीता सीता शीला गीत उर्मिला शांति चांदनी पूनम चम्पा आदि लोग मौजूद।

माई छोटा स्कूल, का भव्य 5वां वार्षिक उत्सव हुआ संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। माई छोटा स्कूल का पांचवां वार्षिक उत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ चंडी तिराहा स्थित सोन पैलेस में मनाया गया। प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, संगीत, नाटक और काव्य पाठ प्रमुख रहे। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम की के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधक रागिनी विशेष,

इस भव्य समारोह का शुभारंभ बच्चों द्वारा श्री गणेश स्तुति एवं अतिथियों द्वारा गणेश की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन से किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में विद्यालय परिवार के नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा सुंदर कलात्मक गीत ,संगीत व नृत्य के कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। एक विशेष प्रस्तुति में छोटे बच्चों द्वारा संस्कृत मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण मंत्रमुग्ध हो गया। माई छोटा स्कूल ने अपने पांच वर्षों की सफल यात्रा पूरी कर ली है, और इस अवसर पर विद्यालय ने अपने विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया। बच्चों ने एक से बढ़कर एक खास बात यह रही कि बच्चों के साथ उनकी माताओं ने भी मंच पर कदम रखा और अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। माताओं और बच्चों के संयुक्त नृत्य व गायन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास जगाना और उनकी प्रतिभा को निखारना भी था। मुख्य अतिथि शैलेन्द्र दुबे, राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी व कमलाकांत पाण्डेय ने विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में माई छोटा स्कूल, एलीट पब्लिक स्कूल निरंतर प्रगति कर रहा है और इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास गौरी त्रिपाठी ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि आने वाले वर्षों में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे बच्चों की प्रतिभा को एक बेहतर मंच मिल सके। समारोह के अंत में प्रतिभागी बच्चों को कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राकेश द्विवेदी, डॉ शान्तेश्वर प्रसाद, आनंद त्रिपाठी द्वारा प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस उत्सव ने सभी को यादगार पल दिए और एक सकारात्मक संदेश के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रकाश पाण्डेय, अमर नाथ पाण्डेय,आकाश, विनीत श्रीवास्तव, विशेष पांडेय, चांदनी त्रिपाठी, प्रियंका सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत दूसरा घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शाहगंज थाना क्षेत्र के टेटी माइनर के समीप सड़क दुर्घटना बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए आसपास के लोगों द्वारा उपचार के लिए जिला अस्पताल

में बाइक सवार 22 वर्षीय एक युवक की हुई मौत दूसरा घायल कराया गया जिला अस्पताल में भर्ती।जानकारी के अनुसार पन्नूगंज थाना क्षेत्र के पिथोरी गांव निवासी सूर्य प्रकाश 22 वर्षी पुत्र मुन्ना जो रविवार अपनी बहन के घर घोरावल थाना क्षेत्र चरका अपने मित्र के साथ गए हुए थे देर शाम लौटते हुए शाहगंज थाना क्षेत्र के टेटी माइनर के समीप अज्ञात वाहन के चपेट में भिजवाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान सूर्य प्रकाश को अमृत घोषित कर दिया वहीं घायल उसी गांव निवासी नसीम 21 वर्षी का दवा इलाज चल रहा है परिजनों ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व शादी हुई थी दो भाइयों में सबसे बड़े सूर्य प्रकाश थे पीड़ितों द्वारा पुलिस को एप्लीकेशन दे दिया गया है अग्रिम कार्रवाई में पुलिस ड्यूटी।

वार्डों की साफ सफाई करते हैं विशेष ध्यान : रूबी प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के

लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 2, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। उक्त अवसर पर जेई मनीष कुमार, सदस्य अनवर अली, मनौज चौबे, धर्मराज जैन,सुजीत कुमार,अजीत सिंह,विमलेश कुमार , संत सोनी आदि लोग उपस्थित रहे।

फोटो कैप्सन - स्वर्ण जयंती चौक पर ई-रिक्शा की जाँच करते एआरटीओ धनवीर यादव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शासन के निर्देश के क्रम में मंगलवार को परिवहन विभाग व यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से

बिना ड्राइविंग लाइसेंस तथा छोटे-छोटे बच्चों द्वारा ई-रिक्शा के हो रहे संचालन के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस दो दिवसीय अभियान के पहले दिन 70 ई-रिक्शा का चालान किया गया, जबकि कागजात के अभाव में 5 ई-रिक्शा सीज कर दिया गया।सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) धनवीर यादव व प्रभारी निरीक्षक यातायात अविनाश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वर्ण जयंती चौक, धर्मशाला चौक, पन्नूगंज मार्ग पर नियम विरुद्ध संचालित हो रहे ई-रिक्शा (टोटो) के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान ई-रिक्शा चालकों में हड़कंप मचा रहा। एआरटीओ ने सभी ई-रिक्शा चालकों को कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस व फिटनेस समय से कराने का निर्देश दिया। वही प्रतिबंधित रूटों पर चल रहे ई-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई किया। उन्होंने बताया की अभियान के दौरान ये सभी ई रिक्शा ड्राइवर बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चला रहे थे। इसके अलावा जो ई-रिक्शा पंजीकृत नहीं मिले उनका भी चालान किया गया।चालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि भविष्य में ये सभी लोग अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवा लें। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। इनसेट क्षमता से अधिक सवारी मिली तो उतरवाई सोनभद्र। नियमानुसार ई-रिक्शा में चार सवारी बैठा कर उसका संचालन कर सकते है। मंगलवार को चेकिंग के दौरान यातायात व ट्रैफिक पुलिस ने जिस ई-रिक्शा में चार से अधिक सवारी बैठी मिली तो उसे रोककर अतिरिक्त सवारी उतरवाई। चालक के पास बैठी सवारियों को भी उतरवा दिया। साथ ही चेतावनी दी कि नियमानुसार ही ई-रिक्शा का संचालन करें। इनसेट बाएं तरफ से ही उतारें सवारी सोनभद्र। यातायात प्रभारी अविनाश सिंह ने बताया कि किसी भी वाहन में नियमानुसार बाएँ तरफ से सवारी बैठा व उतार सकते है। परन्तु ई-रिक्शा चालक दोनों तरफ से सवारी बैठते व उतारते हैं। वह दोनों तरफ से खुला होता है।

अधिवक्ताओं ने विधेयक संशोधन को निकाला जुलूस किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार मगलवार को अधिवक्ता संशोधन विधेयक -2025 के विरोध में अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागु करने की मांग को लेकर सोनभद्र बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एड0 की अध्यक्षता व महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय एड0 के संचालन में आक्रोशित अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक-2025 वापस लेने की मांग के साथ न्यायालय परिसर में चक्रमण करते हुये ट्रेजरी व रजिस्ट्री कार्यालय का घेराव करते हुये सम्पूर्ण दिवस कार्यालय के बाहर अधिवक्ता जमे रहे तथा अधिवक्ता संशोधन विधेयक -2025 वापस लेने की मांग को लेकर सम्पूर्ण दिवस अधिवक्ताओ ने स्वयं को न्यायिक कार्य से अलग रखा। जिसमें उमेश कुमार मिश्र, ओमप्रकाश राय, शारदा प्रसाद ंौय एड0, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव, अरुण कुमार सिंघल, शुधेन्दु भुषण शुक्ल, संजय श्रीवास्तव, मुनिराज शाह, राजीव सिंह गौतम, विनोद कुमार शुक्ल, रमेश प्रसाद चौबे, प्रदीप प्रदीप कनौजिया, प्रदीप देव पाण्डेय, परवेज अख्तर खान, योगश द्विवेदी, अतुल

प्रताप सिंह, संजय कुमार पाण्डेय, आशुतोष द्विवेदी, आशिष शुक्ला, प्रभात मिश्रा, अजित दुबे, अनिल पाण्डेय, आशिष पाल, सुरज वर्मा, अनुज अवस्थी, आशुतोष पाठक, अखिलेश मिश्र, सुनिल मिश्र, अविनाश तिवारी, श्याम किशोर मिश्र, धीरज पाण्डेय, पुष्पा तिग्गा,, अशोक श्रीवास्तव आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे-।

स्पोर्ट्स

रचिन के शतक से कीवी जीते, न्यूजीलैंड-भारत सेमीफाइनल में; गत चैंपियन और मेजबान पाकिस्तान बाहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने ग्रुप चरण में अपने शुरुआती दोनों मुकाबले जीते। भारत ने बांग्लादेश और पाकिस्तान को मात दी, जबकि न्यूजीलैंड ने भी इन दोनों टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की। भारत और न्यूजीलैंड के दो

मैच में दो जीत से चार-चार अंक हैं। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर न्यूजीलैंड की टीम शीर्ष पर है।रचिन रवींद्र के शतक और कप्तान टॉम लाथम के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड की जीत के साथ ही ग्रुप ए से गत चैंपियन पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों का सफर टूर्नामेंट में ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया है। इस ग्रुप से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 46.1 ओवर में पांच विकेट पर 240 रन बनाकर मैच जीत लिया। न्यूजीलैंड की इस टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है।भारत और न्यूजीलैंड ने ग्रुप चरण में अपने शुरुआती दोनों मुकाबले जीते। भारत ने बांग्लादेश और पाकिस्तान को मात दी, जबकि न्यूजीलैंड ने भी इन दोनों टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की। भारत और न्यूजीलैंड के दो मैच में दो जीत से चार-चार अंक हैं। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर न्यूजीलैंड की टीम शीर्ष पर है। अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मार्च को दुबई में मुकाबला खेला जाएगा। जो भी टीम ये मैच जीतेगी वो ग्रुप ए से शीर्ष पर रहकर अंतिम चार में प्रवेश करेगी। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का गत चैंपियन होने के साथ ही मेजबान भी था, लेकिन उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा जिस कारण टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया। दिलचस्प बात यह है कि 19 फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पारी लड़खड़ा गई थी और टीम ने 72 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद इस टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेल रहे रचिन ने लाथम के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की। यह न्यूजीलैंड के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में चौथी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। रचिन और लाथम ने न्यूजीलैंड को मुश्किल से उबारा और जीत की नींव रखी। रचिन ने वनडे विश्व कप 2023 में अपने डेब्यू मैच में शतक लगाया था और अब वह चैंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मैच में भी शतक लगाने में सफल रहे। रचिन 105 गेंदों पर 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 112 रन बनाए। वहीं, लाथम 76 गेंदों पर तीन चौके की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। रचिन चैंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मैच में चमक बिखेरने में सफल रहे। वह इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं रचिन न्यूजीलैंड की ओर से चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में वह न्यूजीलैंड के तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने शतक लगाया है। रचिन से पहले टॉम लाथम और विल यंग ने पिछले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाया था। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन और लाथम के अलावा डेवोन कॉनवे ने 30 रन और केन विलियमसन ने पांच रन बनाए। वहीं, विल यंग खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स 28 गेंदों पर 21 रन और माइकल ब्रेसवेल 11 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन ने एक-एक विकेट लिए। इससे पहले, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के अर्धशतक और जाकिर अली की 45 रन की पारी की मदद से बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 237 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया, लेकिन टीम की बल्लेबाजी खराब रही। बांग्लादेश का स्कोर एक समय 118 रन पर पांच विकेट था। हालांकि, शांतो ने 110 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 77 रन बनाए जिससे बांग्लादेश संभलने में सफल रहा।पिछले मैच की तरह बांग्लादेश के बल्लेबाज इस मैच में भी नहीं चले, लेकिन शांतो और जाकिर ने कुछ अच्छी पारियां खेली जिससे टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। बांग्लादेश के लिए तंजिद हसन ने 24, रिशाद हुसैन ने 26, मेहदी हसन मिराज ने 13, तस्कीन अहमद ने 10, तौहीद हृदोय ने 7, महमूदुल्लाह ने 4 और मुशफिकुर रहीम ने 2 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने शानदार गेंदबाजी की और 10 ओवर में 26 रन देकर चार विकेट लिए। उनके अलावा विलियम ओ रुर्के ने दो विकेट लिए, जबकि मैट हेनरी और काइल जैमिसन को एक-एक विकेट मिला।

टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पीसीबी ले सकता है बड़ा फैसला, अंतरिम कोच आकिब पर गाज गिरना तय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड टूर्नामेंट के बाद कुछ कड़े फैसले ले सकता है। इस सूत्र ने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी के बाद आकिब को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान का प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी में खराब रहा है

और उसे ग्रुप चरण के शुरुआती दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान को पहले मैच में न्यूजीलैंड से हार मिली और फिर रविवार को भारत ने उसे हराया। इन दो हार से पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई हैं। टीम के इस प्रदर्शन के बाद अंतरिम कोच आकिब जावेद के नेतृत्व वाले सहायक स्टाफ पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड टूर्नामेंट के बाद कुछ कड़े फैसले ले सकता है। इस सूत्र ने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी के बाद आकिब को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त किया जा सकता है। सूत्र ने कहा, जाहिर है कि चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के प्रदर्शन से निराशा है। बोर्ड ने अब तक यह तय नहीं किया है कि टीम में सीमित ओवर और लाल गेंद के लिए अलग कोच होंगे या नहीं। लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद मौजूदा सहायक स्टाफ का हटन तय है। जिस तरह बोर्ड ने पिछले साल से कोच और चयनकर्ता बदले हैं, इन पदों के लिए अन्य उम्मीदवार मिलना चुनौतीपूर्ण है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले साल गैरी कर्स्टन के पद छोड़ने के बाद आकिब को सीमित ओवर टीम का अंतरिम कोच बनाया था। इसके बाद आकिब को दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए लाल गेंद की टीम की भी जिम्मेदारी दी गई क्योंकि टेस्ट कोच जेसन गिलिस्पी ने भी अपना पद छोड़ दिया था। पाकिस्तान को 16 मार्च से पांच अप्रैल के बीच पांच टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करना है, इसलिए बोर्ड को स्थायी कोच की नियुक्ति जल्द करनी होगी। सूत्र ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के कारण पीसीबी स्थायी कोच की नियुक्ति पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सका था, लेकिन अब इस पर प्राथमिकता से विचार किया जाएगा। कर्स्टन और गिलेस्पी ने जिस तरह पद छोड़ा पीसीबी विदेशी कोच को रखने पर विचार नहीं कर रहा। इसलिए बोर्ड इस जिम्मेदारी के लिए किसी पूर्व खिलाड़ी पर ही भरोसा जा सकता है। सूत्र ने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का अभियान समाप्त होने के बाद मोहसिन नकवी बोर्ड ऑफ गवर्नस के साथ बैठक करेंगे जिसमें यह फैसला लिया जाएगा कि राष्ट्रीय चयन समिति को बरकरार रखना है या नहीं।

विराट कोहली, सचिन-युवी से लेकर राहुल गांधी-आनंद महिंद्रा तक ने दी प्रतिक्रियाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जानी मानी हस्तियों ने विराट की तारीफों के पुल बांधे हैं। विराट ने वनडे क्रिकेट में 51वां शतक जड़कर टीम को जीत

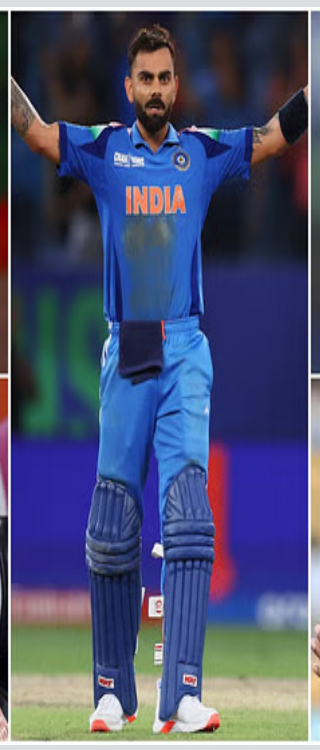

दिलाई। एक्स पर कई प्रमुख हस्तियों ने प्रतिक्रियाएं दीं। आइए देखते हैं विराट कोहली के नाबाद शतक की मदद से चैम्पियंस ट्रॉफी के बहुचर्चित मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर छह विकेट से मिली जीत के बाद सोशल मीडिया पर टीम इंडिया और विराट की जमकर तारीफ की जा रही है। क्रिकेटरों से लेकर राजनेताओं तक और विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियों ने विराट की तारीफों के पुल बांधे हैं जिन्होंने वनडे क्रिकेट में 51वां शतक जड़कर टीम को जीत दिलाई। एक्स पर कई प्रमुख हस्तियों ने प्रतिक्रियाएं दीं। आइए देखते हैं सचिन तेंदुलकर ने कहा, 'सबसे ज्यादा जिस मैच का इंतजार था, उसका परफेक्ट परिणाम। सही मायने में नॉकआउट। विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की शानदार पारियां और हमारे गेंदबाजों खासकर कुलदीप यादव और हार्दिक पांड्या का अद्भुत प्रदर्शन।'सौरव गांगुली ने कहा, 'भारत की अपेक्षित जीत। कहीं बेहतर टीम और बल्ले तथा गेंद को लेकर कहीं बेहतर जज्बा । कोहली, गिल, श्रेयस और गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन।'खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, 'भारतीय टीम को पाकिस्तान पर चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली जीत के लिये बधाई। क्या शानदार हरफनमौला प्रदर्शन। विराट कोहली का जिक्र खास तौर पर जिन्होंने शानदार पारी खेली और 14000 वनडे रन सबसे तेजी से पूरे करने वाले बल्लेबाज बने।युवराज सिंह ने कहा, 'जब समय होता है तब यह जरूर चलते हैं। किंग कोहली अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में। शानदार शतक। श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की भी शानदार पारियों और गेंदबाजों का बेहतरीन प्रदर्शन। एकतरफा ही रहा यह मैच।' राहुल गांधी ने कहा, 'भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत। टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन और कोहली का शतक रहा सबसे आगे। हर उस दिल के लिये यादगार जीत जो भारतीय क्रिकेट के लिये धड़कता है।'स्मृति ईरानी ने कहा, 'अभूतपूर्व विजय, अजेय भारत। चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की जीत टीम इंडिया के जज्बे, मेहनत और जुनून का प्रतिबिंब है। इस शानदार सफलता के लिये टीम भारत और देशवासियों को बधाई।'उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने कहा, 'आपको पता है कि आप खास हैं जब आपका मैच जिताने वाला स्ट्रोक आपका शतक भी पूरा करता है।'माइकल वॉन ने कहा, 'भारत के पास इस समय कम से कम दस खिलाड़ी ऐसे हैं जो टीम में नहीं है और दुनिया की किसी भी टीम में जगह पा सकते हैं। वे सीमित ओवरों के क्रिकेट में इतने मजबूत हैं।

यूपी वारियर्स ने डब्ल्यूपीएल इतिहास के पहले सुपर ओवर में दर्ज की जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग में यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। इस मैच का नतीजा सुपर ओवर के जरिये निकला जिसमें यूपी की टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। यह पहली बार था जब डब्ल्यूपीएल में सुपर ओवर हुआ।यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के इतिहास के पहले सुपर ओवर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को हराया। यूपी ने आरसीबी को सुपर ओवर में जीत के लिए नौ रनों का लक्ष्य दिया, लेकिन आरसीबी लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। बंगलुरु में खेले गए इस मुकाबले में रोमांच की सारी हदें पार हो गईं और अंत में यूपी जीत दर्ज करने में सफल रही। इस मैच को सुपर ओवर तक ले जाने का श्रेय सोफी एक्लेस्टोन को जाता है जिनकी अंतिम ओवर में शानदार बल्लेबाजी से डब्ल्यूपीएल में पहली बार मैच का नतीजा सुपर ओवर के जरिये निकला। आरसीबी ने 20 ओवर में छह विकेट पर 180 रन बनाए। यूपी को अंतिम ओवर में जीत के लिए 18 रनों की जरूरत थी, लेकिन एक्लेस्टोन ने रेणुका सिंह के ओवर से 17 रन जुटाए। अंतिम गेंद पर टीम को एक रन बनाने थे। स्ट्राइक पर क्रांति गौड़ थीं और उनसे गेंद मिस हुई। एक्लेस्टोन रन लेने के लिए भागीं, लेकिन रन आउट हो गईं। इस तरह यूपी ने 20 ओवर में 180 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच स्कोर बराबर रहने पर नतीजा सुपर ओवर के जरिये निकला जिसमें यूपी की टीम सफल रही डब्ल्यूपीएल के इतिहास के पहले सुपर ओवर में यूपी की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी। यूपी के लिए चिनेले हेनरी ने पहली दो गेंदों पर दो-दो रन लिए, तीसरी गेंद वाइड गई और चौथी गेंद पर हेनरी अपना विकेट गंवा बैठीं। फिर एक्लेस्टोन बल्लेबाजी के लिए उतरीं और वह पहली गेंद पर कोई रन नहीं ले सकीं। इसकी अगली गेंद पर एक रन आया और फिर गार्थ ने वाइड गेंद फेंकी। आखिरी गेंद पर भी एक रन आया और इस तरह यूपी ने सुपर ओवर में आठ रन बनाए और आरसीबी को नौ रन का लक्ष्य दिया। आरसीबी के लिए सुपर ओवर में लक्ष्य का पीछा करने के लिए स्मृति मंधाना और ऋचा घोष बल्लेबाजी के लिए आईं। गेंदबाजी के लिए एक्लेस्टोन आईं। ऋचा ने पहली गेंद पर कोई रन नहीं लिया और दूसरी गेंद पर एक रन आया। तीसरी गेंद पर मंधाना एलबीडब्ल्यू आउट होने से बचीं। अंपायर ने उन्हें आउट दिया, लेकिन मंधाना ने डीआरएस लिया और वह नॉटआउट करार दी गईं। मंधाना ने चौथी गेंद पर एक रन लिया। आरसीबी को दो गेंदों पर सात रन की जरूरत थी। ऋचा ने पांचवें गेंद पर एक रन लिया। आरसीबी को एक गेंद पर छह रन की जरूरत थी और मंधाना स्ट्राइक पर थीं। मंधाना ने शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन सिर्फ एक ही रन मिल सका और आरसीबी अपने ही घर में सुपर ओवर में हार गई। अंतिम ओवर में यूपी को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे और आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने गेंद रेणुका सिंह को थमाई। पहली गेंद पर कोई रन नहीं आया। इसके बाद

एक्लेस्टोन ने अगली दो गेंदों पर छक्का लगाया और फिर चौथी गेंद पर चौका जड़ दिया। अब यूपी को दो गेंदों पर दो रन चाहिए थे। एक्लेस्टोन ने भागकर एक रन लिया और स्ट्राइक पर क्रांति आईं। रेणुका हालांकि गेंद मिस कराने में सफल रहीं और ऋचा घोष ने एक्लेस्टोन को रन आउट करने में कोई देरी नहीं की। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल तक विकेट गंवाए। यूपी के लिए एक्लेस्टोन ने 19 गेंदों पर एक चौका और चार छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। उनके अलावा श्वेता सहरावत ने 31, कप्तान दीप्ति शर्मा ने 25, किरण नवगिरे ने 24, वृंदा दिनेश ने 14, उमा छेत्री ने 14 और सायमा ठकोर ने 14 रन बनाए। इससे पहले, एलिस पेरी के नाबाद 90 रनों की मदद से आरसीबी ने यूपी वारियर्स के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा। यूपी ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया था, लेकिन पेरी ने 57 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 90 रन बनाए जिससे आरसीबी ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। पेरी के अलावा डेनियल वाइट हॉग ने 41 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्के की मदद से 57 रन की पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन इसे आगे बरकरार नहीं रख सकी। आरसीबी ने कप्तान स्मृति मंधाना का विकेट जल्दी गंवा दिया। पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में चल रही मंधाना इस मैच में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं और उन्हें दीप्ति शर्मा ने बोल्ड कर आउट किया। मंधाना नौ गेंदों पर एक चौके की मदद से छह रन बनाकर आउट हुईं एलिस पेरी ने डेनियल वाइट हॉग के साथ पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 94 रनों की साझेदारी हुई। ताहिला मैक्ग्रा ने हॉग को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद आरसीबी की पारी लड़खड़ाई क्योंकि अन्य बल्लेबाजी पेरी का साथ ज्यादा देर नहीं निभा सके।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनै के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम को प्रो लीग के मैच में मिली हार, ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड ने दी मात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नीदरलैंड के लिए एम्मा रीजन (सातवें मिनट), फेलिस एल्बर्स (34वें, 47वें मिनट) और फे वैन डेर एल्स्ट (40वें मिनट) ने गोल दागकर जीत हासिल की। भारत के लिए दोनों गोल उदिता (18वें और 42वें मिनट) द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग मैच में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को गोल करने के बेहतर मौके मिले जिसमें उसे 13 पेनल्टी कॉर्नर, जबकि नीदरलैंड को सिर्फ तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले। लेकिन भारत मौकों का फायदा नहीं उठा सका। नीदरलैंड के लिए एम्मा रीजन (सातवें मिनट), फेलिस एल्बर्स (34वें, 47वें मिनट) और फे वैन डेर एल्स्ट (40वें मिनट) ने गोल दागकर जीत हासिल की। भारत के लिए दोनों गोल उदिता (18वें और 42वें मिनट) द्वारा पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए। यह भारत की अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया का 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। रीजन ने सातवें ही मिनट में रिवर्स हिट से उन्हें पछाड़ते हुए गोल कर दिया। भारतीय टीम ने जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल

किए, पर दोनों ही बेकार गए। भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में भी तेजी बनाए रखी और दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिनमें से दूसरे को उदिता ने गोल में बदला। नीदरलैंड ने 25वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया। लेकिन छोर बदलने के चार मिनट बाद एल्बर्स ने ढीली गेंद पर कुछ भारतीय डिफेंडरों को चकमा देते हुए दूसरी भारतीय गोलकीपर बीचू देवी खारीबाम को पीछे छोड़ते हुए एक बेहतरीन रिवर्स हिट के साथ गोल करके नीदरलैंड को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद वैन डेर एल्स्ट ने मैदानी गोल से नीदरलैंड की बढ़त मजबूत की। उदिता ने 42वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। एल्बर्स ने 47वें मिनट में एक और बेहतरीन मैदानी गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित कर दी जो उनका दिन का दूसरा गोल था। भारत मंगलवार को रिटर्न लेग मैच में फिर से नीदरलैंड से खेलेगा और उसकी कोशिश जीत दर्ज करने की होगी।

सम्पादकीय

मुफ्त रेवड़ी की राजनीति पर रोक के संकेत, शीर्ष अदालत पर टिकी नजर

दिल्ली विधानसभा में राजनीतिक दलों के बीच लोकलुभावन घोषणाओं की होड़ लगी हुई थी। संयोग से इसी दौरान उच्चतम न्यायालय में भी ऐसी घोषणाओं से जुड़े मामले की सुनवाई चल रही थी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने ऐसी घोषणाओं के लिए राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इनके जरिये लोगों को परजीवी बनाया जा रहा है। जस्टिस गवई ने कहा कि चुनावी प्रलोभन लोगों को काम करने के लिए हतोत्साहित कर रहे हैं। महाराष्ट्र में कामगारों की किल्लत के संदर्भ में उन्होंने यह टिप्पणी की। राज्य में लाडकी बहिन जैसी योजनाओं के चलते काम किए बिना ही कुछ पैसे मिल जा रहे हैं तो मुफ्त अनाज की सुविधा भी मिली हुई है। परिणामस्वरूप काम करने के लिए लोगों की कमी हो गई है। कुछ दिन पहले ऐसे ही एक मामले की सुनवाई करते हुए उन्होंने कहा था कि राज्यों के पास निठल्लों को पैसे देने के लिए संसाधनों की कमी नहीं, मगर जब न्यायिक अधिकारियों को वेतन-पेंशन जैसी सुविधाएं देने की बारी आती है तो वे खाली खजाने का रोना रोने लगते हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी यानी आप की रेवड़ी राजनीति को जनता ने खारिज कर दिया, लेकिन ऐसी राजनीति को लेकर बहस पर अभी विराम नहीं लगा है। इस राजनीति की बात करें तो तमिलनाडु में इसकी शुरुआत हुई, जहां मतदाताओं को लुभाने के लिए टेलीविजन सेट, मिक्सर ग्राइंडर, कंप्यूटर-लैपटाप और अन्य घरेलू उपकरणों के साथ ही मुफ्त राशन दिया जाने लगा। हालांकि कर्नाटक और केरल जैसे पड़ोसी राज्यों को यह बीमारी लंबे समय तक संक्रमित नहीं कर पाई थी, लेकिन भारतीय राजनीति में अरविंद केजरीवाल के उभार ने रेवड़ी राजनीति के समीकरण पूरी तरह बदल दिए। केजरीवाल मुफ्त बिजली, पानी और परिवहन सेवाओं के जरिये मुफ्तखोरी की राजनीति को एक अलग ही स्तर पर ले गए। तमिलनाडु और दिल्ली की रेवड़ी राजनीति में एक मूलभूत अंतर भी था कि तमिलनाडु में घरेलू उपकरण जैसी सौगात के लिए एकबारगी खर्च होता था, लेकिन आप की रेवड़ी राजनीति ने बिजली-पानी जैसी निरंतर चलने वाली सुविधाओं के लिए भी लोगों को मुफ्तखोरी की आदत लगा दी। यानी इनके लिए सरकारी खजाने पर निरंतर बोझ पड़ना तय होता है। अपनी इन पेशकशों के दम पर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के दो विधानसभा चुनावों में 70 में से 60 से अधिक सीटें हासिल कीं, जिसमें विपक्ष हाशिए पर चला गया तो 15 साल तक राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस उसके बाद से खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं, आप दिल्ली माडल के दम पर पंजाब की सत्ता हासिल करने से लेकर कई राज्यों में पैठ बनाकर राष्ट्रीय दल बन गई। दिल्ली राज्य की सत्ता में भाजपा का 27 साल से चला आ रहा वनवास अगर समाप्त हुआ है तो उसमें पार्टी के उस वादे को अनदेखा नहीं किया जा सकता, जिसमें उसने कहा कि आप सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाएं न केवल चालू रखी जाएंगी, बल्कि उन्हें और सक्षम बनाया जाएगा। कांग्रेस भले ही दिल्ली में किसी तरह पनप न पा रही हो, लेकिन उसने भी गारंटी के नाम पर चुनाव जीतने के लिए बड़े-बड़े वादों का दांव चला। कर्नाटक की सत्ता में पार्टी ऐसे ही लोकलुभावन वादों के जरिये सत्ता में आ सकी। हालांकि इन वादों की इतनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी कि राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सार्वजनिक रूप से कहना पड़ा कि मुफ्त की योजनाओं से जुड़े वादों की पूर्ति के बाद विकास कार्यों के लिए कुछ खास धन नहीं बचा। हिमाचल की कांग्रेस सरकार को भी ऐसे ही वादों के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली में आप और कर्नाटक में कांग्रेस के लोकलुभावन वादों से सबक लेते हुए भाजपा ने भी इस मोर्चे पर अपने प्रयास तेज किए। भाजपा द्वारा मध्य प्रदेश में अपनी सत्ता कायम रखने और छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान जैसे राज्य कांग्रेस से झटकने में महिलाओं के लिए की गई पार्टी की विशेष पेशकशों की अहम भूमिका देखी गई। तेलंगाना में जनता ने कांग्रेस की गारंटियों पर भरोसा जताया, जबकि भाजपा ने वहां भी लाडली लक्ष्मी के जरिये 1,250 रुपये प्रति माह नकदी से लेकर कालेज जानी वाली लड़कियों के लिए स्कूटी का वादा किया था। संविधान में निर्दिष्ट राज्य के नीति निदेशक तत्वों में केंद्र और राज्य सरकारों को नागरिकों का जीवन स्तर सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है, लेकिन दिल्ली की आप सरकार ने लोगों के आर्थिक दर्जे को दरकिनार करते हुए सभी को मुफ्त बिजली-पानी देना और महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा करानी शुरू कर दी। इसकी देखादेखी कांग्रेस ने भी कर्नाटक में महिलाओं को हर महीने नकदी, हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली के अलावा महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देना शुरू कर दिया। इसके बाद तो इस सिलसिले ने ऐसा जोर पकड़ा कि भाजपा भी पीछे नहीं रही। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के बाद हाल के हरियाणा एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी राजनीतिक दलों की यही मंशा दिखी। दिल्ली में भी भाजपा ने बढ़-चढ़कर घोषणाएं कीं। आप ने महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की राशि देने का वादा किया तो भाजपा ने 2,500 रुपये देने की घोषणा की। झुग्गी बस्तियों में रहने वालों को लुभाने के लिए भाजपा ने 'अटल कैंटीन' में पांच रुपये में पोषक आहार उपलब्ध कराने का वादा भी किया। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा ने केजरीवाल को उनकी ही नीतियों से मात देने की बिसात बिछाई थी। हालांकि भाजपा के ये वादे भी सरकारी खजाने से ही पूरे होंगे। रेवड़ी राजनीति पर अभी तक के कम से कम दो संकेत कुछ सुकून देने वाले रहे। रेवड़ी राजनीति की होड़ शुरू करने वाली आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार आशा की पहली किरण बनी है। दूसरी उम्मीद जस्टिस गवई के अवलोकन से जुड़ी है। अब नजरें इसी पर टिकी होंगी कि शीर्ष अदालत में रेवड़ी राजनीति के पक्ष और विपक्ष में किसी प्रकार की दलीलें दी जाती हैं और उससे क्या फैसला निकलता है

माता-पिता और गुरुजनों के योगदान को कभी नहीं भूले विद्यार्थी- राज्यपाल श्री पटेल

शहडोल 25 फरवरी 2025- मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि भावी जीवन में कैरियर की सफलताओं में माता-पिता, गुरूजन और समाज के जरूरतमंद पीछे नहीं छूटने चाहिए। पालकों के संघर्ष के पलों, समाज के सबसे पिछड़े, गरीब व्यक्ति के आपकी शिक्षा-दीक्षा में प्रत्यक्ष और परोक्ष सहयोग को सदैव याद रखें। दीक्षांत शपथ के दस्तावेज को सम्भाल कर रखें। प्रतिदिन उसे दोहराएं और उसके अनुसार आचरण करें। आस-पास के वंचितों की जरूरतों की जानकारी लें। उनको पूरा करने का यथा संभव प्रयास करें। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि हर व्यक्ति में अपार क्षमता है, आवश्यकता अपनी शक्तियों को जगाने की है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाने और समाज एवं राष्ट्र की सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए शुभकामनाएं दी। मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आज पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा है कि दीक्षांत समारोह, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय दोनों के लिए अत्यंत भावनात्मक और अविस्मरणीय पल होता है। नये भविष्य के निर्माण पथ पर आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में नए अवसरों को प्राप्त करने और नई चुनौतियों के समाधान खोजने में अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर अपडेट करते रहें। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी भावी जीवन में निरंतर सीखने की भावना जागृत रखें। तेजी से बदलते आज के तकनीकी युग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निरंतर ज्ञान की खोज समय की जरूरत है। इसीलिए विद्यार्थी जीवन में नए अवसरों को प्राप्त करने और नई चुनौतियों के समाधान खोजने में अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर अपडेट करते रहें। उन्होंने कहा कि सपने साहस और धैर्य से साकार होते हैं। जरूरत है तो बस असफलता से सीख कर, स्वयं में बदलाव करते हुए आगे बढ़ने की।राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि शारीरिक व मानसिक विकास के लिए व्यायाम एवं योग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां स्वस्थ शरीर होगा, वहां मानसिक विकास भी अच्छा होगा। यह एक दूसरे के पूरक होते हैं तथा प्रगति के नए सोपान स्थापित करने में सहयोग प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विद्यार्थियों को जीवन जीने के चार मंत्र बताएं हैं, जिसमें ज्यादा से ज्यादा व्यायाम करो, मिलेट्स का सेवन करें, ज्यादा से ज्यादा जल ग्रहण करें तथा भरपूर नींद लें। जिससे स्वस्थ शरीर का विकास होगा एवं स्वस्थ शरीर के विकास से स्वस्थ मानसिकता का भी विकास हो सकेगा। राज्यपाल ने कहा कि शहडोल संभाग जनजातीय बाहुल्य संभाग है तथा यहां के विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश के जनजातीय महानायक टंट्या मामा, रानी दुर्गावती, रानी कमलापति, रघुनाथ शाह एवं शंकर शाह सहित अन्य विभिन्न महानायकों के जीवन गाथाओं को पढ़ना चाहिए तथा उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान देकर देश एवं प्रदेश की रक्षा की तथा स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया। ऐसे महान नायकों के बारे में सभी विद्यार्थियों को जानना, पढ़ना एवं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में सिकल सेल एनीमिया एक व्यापक बीमारी है। जिसका जागरूकता ही बचाव है। सभी विद्यार्थी विद्या ग्रहण कर अपने-अपने क्षेत्र में जाकर सिकल सेल एनीमिया से बचाव हेतु जागरूकता फैलाए तथा जनजातीय लोगों का सिकल सेल एनीमिया की जांच भी कराएं, जिससे सिकल सेल एनीमिया जैसे घातक बीमारियों से बचा जा सके। मुझे खुशी है कि शंभू नाथ विश्वविद्यालय ने सिकल सेल एनीमिया के उपचार के लिए एवं लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए कार्य किया है।राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से समर्थ, सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत बनाने के लिये भावी पीढ़ी को मति, गति और दिशा निर्धारण करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालयों को सौंपी है। विश्वविद्यालयों से अपेक्षा है कि शिक्षा के इस मंदिर में विद्यार्थियों को ज्ञान, विज्ञान के साथ बौद्धिकता और संस्कारों के समन्वय की सीख भी दें। हर विधा के विद्यार्थियों को शोध एवं नवाचारों को समझने और अपनाने का अवसर भी विश्वविद्यालय में मिले।दीक्षांत समारोह को विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, पं. शंभू नाथ विश्वविद्यालय शहडोल के कुलगुरु प्रो. राम शंकर, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलगुरु प्रो0 ए.डी.एन. वाजपेयी ने भी संबोधित किया तथा विद्यार्थियों को गुरु शिष्य की परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा, अनेक भारतीय विद्वान, पौराणिक एवं ऐतिहासिक विश्वविद्यालय, स्मृति, भाषा, पौराणिक ग्रंथ, शास्त्र एवं पद्धति, भारतीय त्यौहार एवं पर्व तथा भारतीय कवियों का व्याख्यान किया तथा गुरु एवं शिष्य के आत्मिकता से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। विश्वविद्यालय की स्मारिका किया गया विमोचन राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय शहडोल के चतुर्थ दीक्षांत समारोह का मां सरस्वती की वंदना के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इससे पहले विश्वविद्यालय की शोभा-यात्रा ने स्वस्तिवाचन के साथ सभागार में प्रवेश किया। समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मंच पर पधारने के बाद राष्ट्रगान जन-गण-मन धुन प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में अतिथिगण का शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने पं. शंभूनाथ विश्वविद्यालय की स्मारिका पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन भी किया। समारोह राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा विश्वविद्यालय के प्रतिभावान 45 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल एवं उपाधि प्रदान की गई। समारोह में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रामलाल रौतेल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग शर्मा, डीआईजी शहडोल जोन सुश्री सविता सुहाने, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव, पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय के रजिस्टर डॉ. आशीष तिवारी, प्रो. प्रवीण शर्मा, प्रो. प्रमोद पांडेय सहित अन्य प्रोफेसर, जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं एवं उनके अभिभावक भी उपस्थित थे।

खेती की सेहत सुधारने की कोशिश, किसानों के लिए उर्वरक की पहचान जरूरी

विश्व की ढाई प्रतिशत जमीन पर दुनिया की 17.8 प्रतिशत जनसंख्या का पेट भरना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य है। अब तक देश के किसान इस चुनौती पर खरे उतरे हैं, लेकिन मिट्टी की उर्वरता में ह्रास की दर को देखें तो भविष्य की राह आसान नहीं है। बेजान होती मिट्टी का ही नतीजा है कि बुजुर्ग यह शिकायत करते रहते हैं कि आखिर अनाज इतने बेस्वाद कैसे होते जा रहे हैं? पहले किसान एक साथ कई फसलें बोते थे और एक ही फसल की सैकड़ों किस्में मौजूद थी। दरअसल हरित क्रांति के दौर में क्षेत्र विशेष की पारिस्थितिकी दशाओं की उपेक्षा कर फसलें ऊपर से थोपी गईं। जैसे दक्षिण भारत में गेहूं और पंजाब में धान की खेती। किसान उन्हीं फसलों की खेती करने लगे, जिनका बाजार में अच्छा मूल्य मिलता हो। इससे दलहनी, तिलहनी फसलें अनुर्वर और सीमांत भूमियों पर धकेल दी गईं। इस प्रकार फसल चक्र थमा, जिससे मिट्टी की उर्वरता, नमी, भुरभुरेपन में कमी आनी शुरू हुई। इसकी भरपाई के लिए रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग बढ़ा और हरी खाद, कंपोस्ट आदि भुला दिए गए। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के प्रयोग से शुरू में तो उत्पादकता बढ़ी, लेकिन आगे चलकर उसमें गिरावट आने लगी। उदाहरण के लिए 1960 में एक किलो रासायनिक खाद डालने पर उपज में 25 किलो की बढ़ोतरी होती थी, जो कि 1975 में 15 किलो और 2014 में चार किलो ही रह गई। मिट्टी के महत्व का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिस मिट्टी की दो सेंटीमीटर मोटी परत बनने में 500 साल लग जाते हैं, वह महज कुछ ही सेकेंडों में नष्ट हो जाती है। अब तक देश की 9.60 लाख हेक्टेयर भूमि नष्ट हो चुकी है। हर साल 5.3 अरब टन मिट्टी की ऊपरी परत जल कटाव से नष्ट हो रही है। दशकों की उपेक्षा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मिट्टी की सेहत की सुध लेते हुए 19 फरवरी 2015 को राजस्थान के सूरतगढ़ में स्वस्थ धरा-खेत हरा थीम के साथ मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की। इस योजना के तहत साल में दो बार मिट्टी के नमूने लिए जाते हैं अर्थात रबी और खरीफ फसल की कटाई के बाद या जब खेत में कोई फसल न लगी हो। मृदा स्वास्थ्य कार्ड मिट्टी में मौजूद 12 तत्वों की मात्रा दिखाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार होने के बाद कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि सखी आदि किसानों को सुझाव देते हैं कि किस मिट्टी में किस उर्वरक का प्रयोग किया जाए। इससे रासायनिक उर्वरकों के अनावश्यक और असंतुलित इस्तेमाल में कमी आई है। गुजरात में मृदा स्वास्थ्य कार्ड को मिली सफलता को देखते हुए ही प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने इसे पूरे देश में लागू कियाइस योजना के एक दशक पूरा होने तक देश में 24.74 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। देश भर में 8,272 मृदा परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गईं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल सभी प्रमुख भाषाओं में कार्ड की सुविधा प्रदान करता है। केंद्र सरकार के इस अनूठे कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और एकलव्य माडल स्कूलों को शामिल किया गया है। 2024 तक 1,020 स्कूल मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम को क्रियान्वित कर रहे हैं। इन स्कूलों में 1,000 मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का 2022-23 से मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता नाम से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में एक घटक के रूप में विलय कर दिया गया है। सरकार ने जून 2023 में ग्राम स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं (वीएलएसटीएल) के लिए दिशानिर्देश जारी किए। वीएलएसटीएल की स्थापना ग्रामीण युवाओं और समुदाय आधारित उद्यमियों द्वारा की जा सकती है, जिसमें स्वयं सहायता समूह, स्कूल, कृषि विश्वविद्यालय आदि शामिल हैं। फरवरी 2025 तक 17 राज्यों में 665 ग्राम स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं। 2023 में सरकार ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल को भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआइएस) के साथ एकीकृत कर दिया, ताकि सभी परीक्षण परिणामों को मानचित्र पर देखा जा सके। सरकार ने पोषण आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना भी शुरू की है। इसमें उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब तक 21 उर्वरकों को एनबीएस योजना के दायरे में लाया जा चुका है। मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए मोदी सरकार फसल विविधीकरण पर जोर दे रही है। इसके तहत सरकार ने दलहनी-तिलहनी फसलों और मोटे अनाजों के समर्थन मूल्य में भरपूर बढ़ोतरी की है। इससे इन उपजों की सरकारी खरीद में अपेक्षित सुधार आया है। इसी को देखते हुए अब सरकार दलहनी-तिलहनी और मोटे अनाजों की समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद-भंडारण-विपणन का देशव्यापी नेटवर्क बना रही है। इससे न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि अनाजों के केंद्रीकृत भंडारण पर होने वाला भारी भरकम खर्च भी घटेगा। इसके लिए सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी भंडारण योजना शुरू की गई है, जिसके तहत प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के स्तर पर गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। इन गोदामों में स्थानीय उपज को भंडारित कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किया जाएगा। विरोधी भले ही पीएम मोदी पर आरोप लगाएं, लेकिन सच्चाई यही है कि आजादी के बाद वह पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने बंजर होती जमीन की सुध ली।

श्रीमती संतोष सिंह को ईआरडी फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा ।नोएडा मे समाज सेवा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ई आर डी फाउंडेशन द्वारा नोएडा की वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती संतोष सिंह को दिल्ली के भारत मंडपम मे सम्मानित किया गया। इनके द्वारा नोएडा में गरीब असहाय लोगों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करना, वृद्धा पेंशन योजना लागू कराना, विकलांगो के लिए साइकिल छडी मुहैया कराना,कंबल वितरित करना जैसी अनेकों सेवाओं द्वारा समाज के सेवा कार्य में लगी रहती है ।

वाईएसएस फाउंडेशन का स्वच्छ यमुना अभियानः 250 से अधिक स्वयंसेवकों ने कालिंदी कुंज यमुना तट किया स्वच्छ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । नोएडा वाईएसएस फाउंडेशन ने नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के सहयोग से कालिंदी कुंज यमुना तट पर सफाई अभियान चलाया, जिसमें 250 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य नदी संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।संस्थान के यमुना कॉर्डिनेटर दिनेश कुमार ने कहा, ठयमुना का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है।

यह अभियान सिर्फ सफाई ही नहीं, बल्कि एक स्थायी पर्यावरण आंदोलन है।यह वाईएसएस फाउंडेशन की 200वीं यमुना सफाई पहल थी, जिसमें छात्रों, पेशेवरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय योगदान दिया।

थाना शाहगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 01 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार कर कब्जे से 01 किलो 450 ग्राम अवैध गांजा किया गया बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना पिपरी पुलिस द्वारा आज दिनांक 25.02.2025 को समय करीब 07.15 बजे मसोई नहर पुलिया थाना शाहगंज के पास से 01 नफर अभियुक्त राजेश पटेल उर्फ तूफानी पुत्र कन्हैया सिंह निवासी उमरी कला थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 34 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से 01 किलो 450 ग्राम अवैध नाजायज गांजा बरामद कर थाना शाहगंज पर मु0अ0सं0-22/2025 धारा-8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त राजेश पटेल उर्फ तूफानी उपरोक्त को मा0 न्यायालय भेजा गया। **नाम पता अभियुक्त-** राजेश पटेल उर्फ तूफानी पुत्र कन्हैया सिंह निवासी उमरी कला थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 34 वर्ष। **बरामदगी का विवरणः-** अभियुक्त के कब्जे से 01 किलो 450 ग्राम नाजायज गांजा बरामद। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरणः-** 1. उ0नि0 रामसिंहाशन शर्मा चौकी प्रभारी कस्बा शाहगंज थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 सुभाष चन्द्र यादव चौकी कस्बा शाहगंज थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र।

दिल्ली में बदलने वाला है मौसम, आज रहेगी धुंध आसमान में बादल; दो दिन बाद बरसेंगे बदरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रिज में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोधी रोड और आया नगर में 26.7 व आया नगर में 26.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। राजधानी में आज सुबह धुंध की संभावना है। आसमान में आंशिक बादल भी छाए रहेंगे। इससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 व 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। वहीं, मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 26 फरवरी से तीन दिन तक हल्की बारिश होगी। इधर, रविवार को आसमान साफ रहा। इससे सूरज की तपिश ने गर्मी का अहसास कराया। सुबह के समय हल्की ठंड रही, जबकि शाम को इसका अहसास कम हुआ। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 26.7 डिग्री दर्ज किया गया। कुछ इलाकों में तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। रिज में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोधी रोड और आया नगर में 26.7 व आया नगर में 26.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। साथ ही, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 10.3 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली में बदलने वाला है मौसम, आज रहेगी धुंध आसमान में बादल; दो दिन बाद बरसेंगे बदरा आया नगर में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मोटापा एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या, जीवनशैली में सुधार से कम होगा मोटापा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । नोएडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटापा कम करने को लेकर शुरू किए गए अभियान का फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डीके गुप्ता ने स्वागत किया है।डॉ डी.के. गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा मोटापे के खिलाफ शुरू किया गया यह अभियान लोगों को जागरूक करेगा और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। अगर लोग अपने खान-पान पर ध्यान दें और नियमित व्यायाम करें, तो मोटापे की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मोटापा भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। खासकर युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। उन्होंने बताया कि मोटापे का मुख्य कारण असंतुलित खान-पान और खराब जीवनशैली है। अधिक कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त भोजन का सेवन, जैसे कि चावल, रोटी, चीनी और तेल का अधिक मात्रा में उपयोग, मोटापे को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, फास्ट फूड और पैकेज्ड फूड का अत्यधिक सेवन भी मोटापे का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि जंक फूड, अधिक तेल, चीनी और कैलोरी युक्त भोजन का सेवन

मोटापे को बढ़ाता है। नियमित व्यायाम न करने से शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा होती है। यदि परिवार में किसी को मोटापे की समस्या है, तो अगली पीढ़ी को भी इसका खतरा अधिक रहता है। खराब मानसिक स्वास्थ्य और अनियमित नींद चयापचय (मेटाबॉलिज्म) को प्रभावित करती है, जिससे वजन बढ़ता है। थायरॉयड, डायबिटीज और अन्य हार्मोनल समस्याएं मोटापे का कारण बन सकती हैं। मोटापे के कम करने के लिए जरूरी है संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। तेल और कैलोरी का सेवन सीमित करें। रोजाना कम से कम 30 मिनट की एक्सरसाइज करें, जैसे योग, वॉकिंग, रनिंग, और साइकलिंग। अधिक वजन होने पर डॉक्टर की सलाह लें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सा उपचार अपनाएं। देर रात खाना खाने से बचें, समय पर सोएं और स्ट्रेस मैनेजमेंट करें। अत्यधिक मोटापे के मामलों में बैरिएट्रिक सर्जरी एक विकल्प हो सकता है। बता दे कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में मोटापे की गंभीर स्वास्थ्य समस्या पर चर्चा की और इसके नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर आठ में से दूसरा व्यक्ति मोटापे की समस्या से जूझ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में दुनिया भर में 250 मिलियन से अधिक लोग मोटापे से ग्रस्त थे। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने खानपान में बदलाव लाएं और हर महीने खाने में 10 प्रतिशत कम तेल का उपयोग करें। उन्होंने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करें।

जिले में फैला कबाड़ियों का मायाजाल एक गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। थाना राबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा 8 प्लास्टिक की बड़ी बोरियों में विद्युत सामग्री (प्लास्टिक कोटेड तार /बिना कोटेड तार व कलेम्प नट बोल्ट आदि) व एक पिकप वाहन के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र राय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ चारू द्विवेदी के पर्यवेक्षण में चोरी की घटनाओ पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस के प्रयास से 24.02 को चोरी करने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया गया विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगणो को न्यायालय भेजा गया। सामान के साथ गिरफ्तार अभियुक्त. रिजवान हासमी उर्फ भोला पुत्र स्व0 अजीम हासमी नि0 बभनौली पर हुई करवाई वही गिरफ्तार एवं बरामदगी करने वाली टीम में उ0नि0 कुँवर सिंह चौकी प्रभारी कस्बा , शिवाजी , राजेश कुमार मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या बच्चों ने निकली झांकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में 25 फरवरी दिन मंगलवार महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या पर महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया इसमें विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती की सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई। सीनियर बच्चों के द्वारा केवल धार्मिक भावनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं है बल्कि यह मानव को शांति , समृद्धि और समर्थन के भावों से युक्त करता है।इस दिन लोग अपने जीवन की बुराइयों से मुक्ति प्राप्त करने का संकल्प लेते है । विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय ने महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक महत्व बताते हुए कहा कि इस दिन चंद्रमा

महाशिवरात्रि पर्व के महत्व के बारे में बताया गया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद जैन के द्वारा बताया गया कि महाशिवरात्रि को श्रद्धा भाव से मनाते है इस दिन लोग अपनी आत्मा की शुद्धि का अनुभव करते है और भगवान शिव को पाने का संकल्प लेते है । इस पर्व के माध्यम से हम सीखते है कि जीवन में सफलता के लिए सामर्थ्य , तप और समर्पण की आवश्यकता होती है ।विद्यालय के मुख्य कार्यकारी संतोष कुमार पांडे ने कहा कि यह अद्वितीय पर्व और पृथ्वी की स्थिति ऐसी होती है कि मानव के रीढ़ की हड्डी पर एक प्राकृतिक ऊर्जावान प्रभाव पड़ता है व्यक्ति सीधा बैठकर इस दिन ध्यान करता है तो वह इस ऊर्जा का सर्वोत्तम लाभ प्राप्त करता है सीधा बैठने और ध्यान करने से ऊर्जा मस्तिष्क तक पहुंचती है इसीलिए योगी और साधक इस रात को जागकर ध्यान और साधना करते है । इस अवसर पर सुरेंद्र यादव शिक्षक अजय श्रीवास्तव, संजू पांडे, रुचि दुबे, चंदन सिंह आदि शिक्षक शिक्षिका एवं कर्मचारी उपस्थित है।

सरस आजीविका मेला 2025 में चौथे दिन हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट के उत्पादों की हुई जमकर खरीददारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । नोएडा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के सहयोग से आयोजित सरस आजीविका मेला 2025 में चौथे दिन हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट उत्पादों की जमकर बिक्री हुई। यह मेला 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक नोएडा हाट, सेक्टर-35ए में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य ग्रामीण भारत की समृद्ध शिल्प कला और संस्कृति को शहरी लोगों के साथ जोड़ना है। महिलाओं को भा रहे हैं राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बैड शीट मेले में महिलाओं के लिए राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ की बैड शीट खास आकर्षण का केंद्र रहीं। ये उत्पाद न केवल सुंदर हैं, बल्कि टिकाऊ और आरामदायक भी हैं। इसके अलावा, मेले में 400 से अधिक महिला शिल्पकारों ने अपने हस्तकला और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया। ये महिलाएं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और अपने कौशल के जरिए ग्रामीण संस्कृति को जीवंत कर रही हैं। ताइवान प्रतिनिधिमंडल ने भी लिया हिस्सामेले के चौथे दिन ताइवान का एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी पहुंचा। उन्होंने भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की सराहना की और इन्हें वैश्विक बाजार में बढ़ावा देने की संभावनाओं पर चर्चा की। इंडिया फूड कोर्टः क्षेत्रीय व्यंजनों का अनोखा स्वादइस बार मेले का एक खास आकर्षण इंडिया फूड कोर्ट भी है। यहां देश भर के 20 राज्यों की 80 उद्यमी गृहणियों ने अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टाल लगाए हैं। इन स्टालों पर हर प्रदेश के व्यंजनों का अनोखा स्वाद चखने को मिल रहा है। हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की भरमारमेले में हस्तशिल्प और हथकरघा के उत्पादों की भरमार है। आंध्र प्रदेश की कलमकारी, आसाम का मेखला चादर, बिहार की कॉटन और सिल्क साड़ियां, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, गुजरात का भारत गुंथन और पैचवर्क, झारखंड की तासर सिल्क और कॉटन साड़ियां, मध्यप्रदेश के चंदेरी और बाग प्रिंट, मेघालय के इरी उत्पाद, ओडिशा की तासर और बांदा साड़ियां, तमिलनाडु की कांचीपुरम साड़ी, तेलंगाना की पोचमपुरम साड़ी, उत्तराखंड की पश्मीना, और पश्चिम बंगाल की बालुचरी साड़ियों ने लोगों का ध्यान खींचा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी जलवा मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद लिया जा रहा है। चौथे दिन महाराष्ट्र के पुष्पांजलि ग्रुप के कलाकारों ने सुप्रसिद्ध लावनी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, हीटेक इंटरनेशनल स्कूल, गाजियाबाद की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का मंच सरस आजीविका मेला 2025 न केवल ग्रामीण कलाओं को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का भी एक मंच प्रदान कर रहा है। मेले में देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियों ने भाग लिया। ये महिलाएं अपने उत्पादों के साथ मेले में शामिल हुईं और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। मेले को सफल बनाने में जुटे अधिकारी मेले को सफल बनाने के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और एनआईआरडीपीआर पूरी तरह से प्रयासरत हैं। इस अवसर पर एनआईआरडीपीआर के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया के कुशल निर्देशन में सुधीर कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद और अन्य अधिकारियों ने मेले की व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग दिया। सरस आजीविका मेला 2025 ग्रामीण भारत की समृद्ध संस्कृति और कला को शहरी लोगों के साथ जोड़ने का एक बेहतरीन मौका है। यह मेला न केवल ग्रामीण कलाओं को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

साइबर क्राइम पुलिस थाना ने वापस कराये 07 लाख 17 हजार रुपये

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान तथा श्री कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्या0) सोनभद्र के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद सोनभद्र के कुशल नेतृत्व में थाना साइबर टीम के द्वारा आवेदिका प्रियंका सिंह पुत्री अमरनाथ सिंह निवासिनी टोला चेतवा ग्राम जरहा थाना बीजपुर के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फ्राड कर के धनराशि को ट्रांसफर करा लिया गया था। जिसके क्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुये बैंक से पत्राचार करके फ्राड हुई धनराशि को होल्ड कराकर निर्धारित प्रारुप में नोटिस देकर 07 लाख 17 हजार रुपये को आवेदिका के मूल खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। जिस पर आवेदिका द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक के साथ-साथ साइबर क्राइम पुलिस थाना के अधिकारी/कर्मचारीगण की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी। वापस करायी गयी धनराशि का विवरण - 07 लाख 17 हजार रुपये। **बरामद करने वाली टीम का विवरण** - 1.प्र0नि0 राजेश कुमार सिंह साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 2.उ0नि0 मनोज कुमार सिंह साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 3.क0आप0 विकास मौर्या साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 4.का0 अखिलेश कुमार साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 5.का0 जीतेन्द्र कुमार साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 6.का0 शैलेश विक्रम साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 7.म0का0 शारदा साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र।

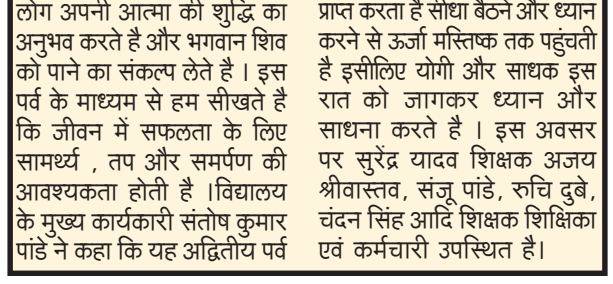

ओवरब्रिज के नीचे स्वच्छता एवं सौंदर्गीकरण को दिया पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भाजपा नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में चंडी तिराहे से कीर्ति पाली अस्पताल तक बने ओवरब्रिज के नीचे स्वच्छता एवं सौंदर्गीकरण करने को लेकर जिलाधिकारी को पत्र दिया । भाजपा नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने बताया कि सोनभद्र शहर में चंडी तिराहे से कीर्ति पाली अस्पताल तक लगभग 03 किलोमीटर लंबे ओवरब्रिज के नीचे भारी मात्रा में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। इस गंदगी के कारण सड़क के दोनों ओर रहने वाले नागरिकों एवं राहगीरों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गंदगी से उठती दुर्गंध से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जैसा कि सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत संपूर्ण स्वच्छता का संकल्प लिया गया है, उसी के अनुरूप यदि इस ओवरब्रिज के नीचे खनिज विकास निधि (क्ड1) से सौंदर्गीकरण कराया जाए, तो यह क्षेत्र स्वच्छ और सुंदर बन सकता है। वही सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि गंदगी जमा न हो, ओवरब्रिज के नीचे पेवर ब्लॉक बिछाकर सौंदर्गीकरण किया जाए ताकि इसे एक आकर्षक रूप दिया जा सके, चौराहों पर सुभाष चंद्र बोस अटल बिहारी बाजपेई जी पंडित दीनदयाल डॉ राजेंद्र प्रसाद भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद जैसे महापुरुषों की प्रतिमाएँ स्थापित की जाएं, जिससे आमजन को प्रेरणा मिले और यह स्थान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण बन सके, वृक्षारोपण एवं हरित क्षेत्र का विकास किया जाए, जिससे वातावरण स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बना रहे।

मिर्जापुर में बड़ा हादसा तेलंगाना का यात्री वाहन खड़े ट्रक से भिड़ा; चार की मौत और तीन घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। यूपी के मिर्जापुर में दर्दनाक सड़क हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। एक वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से भिड़ गया। हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों का इलाज चल रहा है। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन हादसे का शिकार हो गया। हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज से वाराणसी लौटते समय तेलंगाना का एक यात्री वाहन सड़क किनारे खड़ा ट्रक से टकरा गया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शनिवार देर रात लालगंज-मिर्जापुर रोड पर तुलसी गांव स्थित किसान ढाबा के पास हुआ।तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के यात्रियों का वाहन प्रयागराज से संगम स्नान कर लौट रहा था। वाहन की रफ्तार तेज थी। वाहन बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, एडिशनल एसपी और थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लालगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मिर्जापुर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के चित्र (44), विशाल (20), वेंकट रेड्डी (40) और माल रेड्डी (40) ने दम तोड़ दिया। वहीं, हादसे में घायल मोतीला (40)संगारेड्डी, तेलंगाना, वीरेंद्र कुमार (32) शंभूपुरा, वाराणसी और राहुल (26) वाराणसी का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

नूतन-सुरैया जैसी पॉपुलर एक्ट्रेस के साथ फिल्म करके भी फ्लॉप रहे, फिर गायकी से बनाया नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 1950-60 के दशक का वह शख्स, जिसकी मखमली और रोमांटिक आवाज लोगों को मदहोश कर देती थी। गायकी ही नहीं अभिनय की दुनिया में भी अपने तलत साहब का बचपन से ही संगीत में खास रूझान था, इस कारण उन्होंने अपने परिवार वालों को भी छोड़ दिया। संगीत करियर की शुरुआत महमूद साहब ने ऑल इंडिया रेडियो से की, जहां वह भाषाओं में कुल मिलाकर 750 गाने गाए।गायन ही नहीं अभिनय की दुनिया में भी तलत महमूद ने हाथ आजमाया, जिसमें उन्होंन कई चर्चित कलाकारों के साथ काम किया। नूतन, सुरैया, माला सिन्हा

कमाल के लिए जाने वाले तलक महमूद किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। आज के दिन इनके जन्मदिवस पर हम जानेंगे इनके जीवन से जुड़ी खास बातें।संगीत की दुनिया में तलक महमूद एक ऐसा नाम है, जिनके गानें आज भी लोगों के जुबां पर हैं। संगीत के लिए इन्होंने परिवार तक को छोड़ दिया था। नूतन, सुरैया जैसे तमाम बड़े अभिनेत्रियों के साथ अभिनय की दुनिया में भी काम किया। आज इनके जीवन के संघर्षों से लेकर ऊंचाइयों तक की अनसुनी कहानियों को जानेंगे। आइए जानते हैंष्ठ.यूपी राज्य के नवाबों के शहर लखनऊ में तलत महमूद का जन्म 24 फरवरी 1924 को हुआ। इनके परिवार वाले पुराने विचारों वाले थे, जो संगीत को बहुत खराब शौक मानते थे। गजलों को गाया करते थे। मात्र 17 वर्ष की उम्र में तलक ने 1941 में अपना पहला गाना रिकॉर्ड किया था, जो एक बंगाली गीत था 'सब दिन एक समान नहीं'।तलत महमूद ने 1944 में एक गाना गाया 'तस्वीर तेरी दिल मेरा बहला ना सकेगी', इस गाने ने तलत साहब को मशहूर कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी नाजुक और भावुक आवाज से बॉलीवुड के संगीत की दुनिया में क्रांति लाने का काम किया। महमूद साहब ने कई हिट्स गाने दिए जिसमें 'जाएं तो जाएं कहां', 'शाम-ए-गम की कसम', 'ये हवा ये रात ये चांदनी', 'फिर वही शाम वही गम' जैसे गानें शामिल हैं। उनकी आवाज में एक ठहराव था, एक गहराई थी, जो सीधे दिल को छू जाती थी। महमूद साहब ने सभी जैसी अभिनेत्रियों के साथ उन्होंने फिल्में की। उन्होंने 'राजलक्ष्मी', 'दिल-ए-नादान', 'वारिस' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। फिल्मों में ज्यादा मन ना लगने पर उन्होंने अपने गायन को जारी रखा। 1960 के दशक के बाद जब संगीत उद्योग में बदलाव आया तो तलत साहब का प्रभाव कम होने लगा। फिर उन्होंने फिल्मी गाने छोड़ स्टेज परफॉर्मेंस की ओर रूख किया। महमूद साहब ने सभी भाषाओं में कुल मिलाकर 750 गाने गाए। इस अमूल्य योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया। जिसमें पद्म भूषण, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, लता मंगेशकर अवॉर्ड जैसे अवार्ड इन्होंने अपने नाम किए। तलत महमूद नौ मई 1998 को इस दुनिया को अलविदा कह गए।

दुल्हन बन रैंप वॉक पर उतरीं भूमि पेडनेकर, फैंस ने की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मेरे हसबैंड की बीवी फिल्म में नजर आ रही भूमि पेडनेकर एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। उनका दुल्हन स्टाइल वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस लुक में भूमि बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री भूमि का यह लहंगा पहाड़ों की याद दिला रहा है। डबल चुनरी में ऑरेंज चुनरी पहाड़ों में पहनीं जाने वाली पारंपरिक ओढ़नी की तरह ही लग रहा है। हालांकि, इसकी स्टाइलिंग कुछ अलग तरह से की गई है। भूमि पेडनेकर के इस लुक की उनके फैंस ने बहुत सारी तारीफ

भूमि पेडनेकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में भूमि दुल्हन के लहंगे में रैंप वॉक करती नजर आ रही हैं। वीडियो में उनके लुक को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं।भूमि पेडनेकर इस वीडियो में ब्राइडल घेरदार लहंगे में नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने गोल्डन ब्लाउज पहन रखा है। भूमि रैंप वॉक के साथ स्टेज पर घूमती दिखाई दे रही हैं। उनकी हेयर स्टाइल भी काफी खूबसूरत लग रही है। भूमि ने लहंगे के साथ चोकर भी गले में कैरी किया है, जो इस लहंगे के लुक को कंपलीट कर रहा है। इस लहंगे को अबू जानी संदीप खोसला ने डिजाइन किया है। ध्यान से देखा जाए तो की है। एक फैन ने कहा आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं। एक अन्य ने लिखा- आप वाकई बहुत सुंदर हैं। भूमि पेडनेकर अपनी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी को लेकर काफी चर्चा में हैं। भूमि की इस फिल्म को फैंस बहुत सारा प्यार दे रहे हैं। फिल्म को फैंस की मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक रविवार को इस फिल्म ने 90 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कारोबार अब चार करोड़ 10 लाख रुपये हो गया है। पहले सप्ताहांत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद फिल्म पर फ्लॉप होने का खतरा अब मंडराने लगा है।

'छावा' के सामने पस्त हुई 'मेरे हसबैंड की बीवी', अन्य फिल्मों का भी हाल रहा बेहाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रविवार को सिनेमाघरों में 'छावा' ने अच्छा प्रदर्शन किया। दिन था। साथ ही फिल्म का पहला वीकएंड भी था। हालांकि, छुट्टी वाले दिन का फायदा यह फिल्म उठा करोड़ रुपये हो चुकी है।'कैप्टनः अमेरिका ब्रेव न्यू वर्ल्ड' की शुरुआत भारतीय दर्शकों के बीच कुछ खास

वहीं, दूसरी ओर अर्जुन कपूर की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' का हाल कुछ ठीक नहीं रहा। फिल्मों के कलेक्शन पर नजर डालिए...फरवरी महीने के शुरुआती दिन बॉक्स ऑफिस पर लगभग सभी फिल्मों के लिए ठंडे रहे, लेकिन विक्की कौशल फिल्म छावा ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर उम्मीद की किरण जगाई। हालांकि, फरवरी के आखिरी दिनों का हाल भी बहाल नजर आया, क्योंकि अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस भी सुस्त पड़ गई। वीकएंड पर फिल्मों की कमाई में सुधार आने की उम्मीद जताई गई थी, चलिए जानते हैं कि बीते दिन यानी रविवार को सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है। 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' का रविवार को सिनेमाघरों में तीसरा नहीं पाई और गिरावट के साथ कमाई की। रविवार को 'मेरे हसबैंड की बीवी' ने 1.11 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि शनिवार को फिल्म ने 1.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 4.31 करोड़ रुपये हो चुकी है। छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और पहले दिन से ही दर्शकों के बीच छाई हुई है। फिल्म अपने दूसरे हफ्ते में है और इस दौरान भी यह रफ्तार के साथ कमाई कर रही है। वीकडेज के अनुसार इस वीकएंड पर फिल्म की कमाई में अच्छा उछाल देखने को मिला। अपने 10वें दिन यानी रविवार को 'छावा' ने 40 करोड़ रुपये की कमाई की। हालांकि, शनिवार के आंकड़ों के अनुसार, इसमें मामूली गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को फिल्म ने 44 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, अब 'छावा' की कुल कमाई 326.75 नहीं रही। पहले दिन यह दर्शकों पर खास जादू नहीं चला पाई। फिल्म को समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी, लेकिन दर्शकों ने इस फिल्म को पसंद नहीं किया। पहले दिन फिल्म ने 4.3 करोड़ रुपये की कमाई की थी। गुजरते दिनों के साथ इसकी कमाई में गिरावट हुई। 10वें दिन यानी रविवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 35 लाख रुपये की कमाई की। वहीं, अब फिल्म का कुल कलेक्शन 6.84 करोड़ रुपये हो चुका है।बॉलीवुड फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला करने के लिए साउथ सुपरस्टार नागा चैतन्य की फिल्म 'तंडेल' भी 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। हालांकि, इस फिल्म का प्रदर्शन बॉलीवुड की कुछ फिल्मों से बेहतर रहा। फिल्म में साई पल्लवी भी मुख्य भूमिका में हैं। पहले दिन फिल्म ने 11.5 करोड़ रुपये के साथ शानदार शुरुआत की थी। अपने 17वें दिन यानी रविवार को फिल्म ने को फिल्म ने 1.16 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, अब इसका कुल कलेक्शन 63.48 करोड़ रुपये हो चुका है।

विराट के शतक के बाद सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने लगे नाना पाटेकर, लोग साझा कर रहे मजेदार मीम्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विराट कोहली के शतक के बाद अब नाना पाटेकर सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या हैविराट कोहली ने एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी से देशवासियों का दिल जीत लिया। भारत और पाकिस्तान के बीच अचानक से सोशल मीडिया पर ट्रेंड क्यों करने लगे एचटी के अनुसार नाना पाटेकर ने एक बार कहा था कि जब भी विराट कोहली जल्दी आउट होते हैं तो वह खाना नहीं खाते। नाना पाटेकर ने खुलासा किया था कि जब वह जल्दी आउट हो जाते हैं तो मुझे खाना खाने का मन नहीं करता।

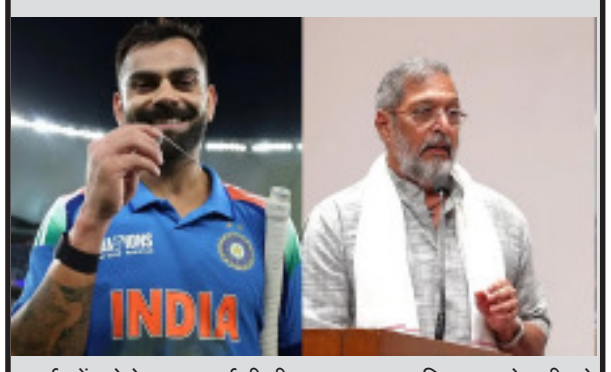

दुबई में खेले गए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मैच में कोहली ने अपने 51वें एकदिवसीय शतक के साथ टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में कोहली ने 100 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, श्रेयस अय्यर ने 67 गेंदों पर 56 रन और शुभमन गिल ने 52 गेंदों पर 46 रन बनाकर टीम का अच्छा साथ दिया।भारत की जीत के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता नाना पाटेकर के मीम्स वायरल होने लगे। यूजर्स ने नाना पाटेकर की तस्वीरों के साथ मजेदार कैप्शन्स शेयर किए। हालांकि, सवाल यह है कि आखिर नाना पाटेकर के मीम्स अब जब विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शतक लगाया और भारत को जीत दिलाई है तो सोशल मीडिया पर नाना पाटेकर के साथ जुड़ी तस्वीरें और मीम्स शेयर किए जा रहे हैं। इन मीम्स को देखकर यूजर्स मजेदार टिप्पणियां भी कर रहे हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में नाना पाटेकर फिल्म 'वनवास' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ उत्कर्ष शर्मा भी थे। इसका निर्देशन अनिल शर्मा ने किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर सकी थी।

त्रिविक्रम श्रीनिवास ने शुरू की अगली फिल्म के लिए कास्टिंग, अल्लू अर्जुन के साथ बनेगी किसकी जोड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ माइथोलॉजिकल फिल्म पर अब इस फिल्म के बारे में दिलचस्प अपडेट सामने आया है।त्रिविक्रम श्रीनिवास की फिल्म का प्री-प्रोडक्शन हैदराबाद में तेजी से चल रहा है। साथ किस कलाकार की जोड़ी बनती है। हिंदी सिनेमा के कई नामचीन नाम इस फिल्म में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सीतारा एंटरटेनमेंट

काम कर रहे हैं, जिसका प्री-प्रोडक्शन हैदराबाद में चल रहा है। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' की ब्लॉकबस्टर सफलता का जश्न मना रहे हैं। वहीं, इसके साथ ही अभिनेता ने अपनी आने वाली फिल्मों पर भी काम शुरू कर दिया है। अल्लू अर्जुन अगली बार साउथ निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास की फिल्म में नजर आएंगे, जो माइथोलॉजिकल फिल्म होगी। वहीं, वहीं, अब खबर सामने आई है कि त्रिविक्रम श्रीनिवास ने फिल्म की कास्टिंग शुरू कर दी है। निर्देशक ने इस फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं को निभाने के लिए कुछ लोकप्रिय कलाकारों से संपर्क किया है। हालांकि, उन कलाकारों के नाम या किसी किरदार का खुलासा नहीं हुआ है।हालांकि, इस खबर पर निर्देशक की ओर से आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है। यह भी 'पुष्पा 2' की तरह ही 'अखिल भारतीय फिल्म' होगी। अब यह देखना होगा कि इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के इस फिल्म को बड़े पैमाने पर निर्मित करेगा, जिसमें नागा वामसी इसके निर्माण की देखरेख करेंगे।दूसरी ओर त्रिविक्रम की पिछली फिल्म गुंटूर करम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बॉक्स ऑफिस पर औसत से भी कम प्रदर्शन करने वाली फिल्म रही। खबर है कि वह अल्लू अर्जुन के साथ अपनी आगामी फिल्म की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। वहीं, अल्लू अर्जुन और सुकुमार की फिल्म 'पुष्पा 2' ने दुनियाभर में 1800 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कमाई की थी।

क्या उर्वशी रौतेला से शादी करना चाहते हैं ओरी वायरल हुए कमेंट पर लोगों ने लगाए कयास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उर्वशी रौतेला और सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहने वाले ओरी के बीच हुई एक मजेदार बातचीत ने इंटरनेट पर के बीएफएफ (बेस्ट फ्रेंड्स फॉरेवर) के तौर पर लोकप्रिय ओरी ने हाल ही में आदर जैन और अलेखा आडवाणी की शादी के फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा किए थे। ओरी में वायरल हो गई और सोशल मीडिया पर दोनों के इस मजाकिया बातचीत को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। नेटिजन्स ने इस बातचीत को लेकर कई तरह के प्रतिक्रियाएं दीं।

तहलका मचा दिया है।बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और सोशल मीडिया पर छाए रहने वाले ओरहान आवत्रमणि उर्फ ओरी के बीच सोशल मीडिया पर हालिया बातचीत ने एक नई हलचल पैदा कर दी है। ओरी और उर्वशी के बीच हुए मजेदार संवाद ने नेटिजन्स के बीच दोनों की शादी को लेकर कयासों का बाजार गर्म कर दिया है।बॉलीवुड लाल कुर्ता, नेहरू जैकेट और सफेद पैंट में बेहद स्टाइलिश नजर आ रहे थे, लेकिन इस पोस्ट की सबसे दिलचस्प बात उनकी और उर्वशी के बीच हुई बातचीत रही। उर्वशी ने कॉमेंट सेक्शन में लिखा, ठआपकी शादी में आने का इंतजार नहीं कर सकती। इसके बाद ओरी ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, हमारी। यह टिप्पणी कुछ ही समय एक यूजर ने लिखा, ठयह तो उर्वशी की दुनिया है, हम बस उसमें जी रहे हैं।ठ इसके अलावा कई यूजर्स ने इस बातचीत को लेकर हैरानी जताई। एक यूजर ने पूछा, ठदूल्हा कौन होगा वर्क फ्रंट की बात करें तो उर्वशी को हाल ही में फिल्म 'डाकू महाराज' में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म औसत कमाई कर सकी थी।

भारत की जीत पर खुशी से झूम उठे सितारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त देकर देशवासियों को बड़ा तोहफा दिया है। इस जीत के बाद कई सितारों ओवर में 241 रन बनाए और पूरी टीम सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। विराट कोहली ने 111 गेंदों में 100 रन बनाकर वनडे करियर का 51वां शतक पूरा किया। इस बड़ी जीत के बाद कई फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपने पति विराट कोहली शानदार पारी

ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं।भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर एक शानदार जीत दर्ज की है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 से काफी खुश नजर आईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर विराट की तस्वीर साझा की और हार्ट इमोजी और हाथ जोड़ने वाले इमोजी के साथ अपनी खुशी व्यक्त की।

एक्टिंग करने से पहले क्या करते थे बिग बॉस 18 विनर करण वीर मेहरा खुद सुनाई अपनी कहानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 विनर करण वीर मेहरा ने भारती सिंह के पॉडकास्ट में अपनी एक्टिंग जर्नी के साथ इससे पहले के कामों के बारे में भी बात की है। उन्होंने बताया कि वे एक्टिंग से पहले दिल्ली में खेल खेलने का शौक रखते हैं। बिग बॉस 18 के विनर करण वीर मेहरा ने अपने करियर और क्रिकेट से प्यार को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि वे क्रिकेट से पहले क्या करते थे। उन्होंने बताया कि बिग बॉस का ऑफर आने पर पहले उन्होंने शो में जाने से मना कर दिया था।भारती सिंह के पॉडकास्ट में करण वीर ने बताया कि मुझे क्रिकेट का बहुत शौक था, मैं क्रिकेट अकेडमी में था, तो मैंने क्रिकेट छोड़ा क्योंकि आईपीएल था नहीं तब और हमसे अकादमी में चार-पांच घंटे फील्डिंग करवाते थे। मैंने प्रोफेशनल क्रिकेट खेला है। मैं सुबह से शाम तक क्रिकेट खेलता था। मैंने सोचा था कि क्रिकेट खेलूंगा या एक्टिंग करूंगा। करण वीर ने बताया, 'साल 2003 की बात है कि मेरे पास किसी शो को लेकर ऑडिशन आया था, जिसमें मुझे एक लड़के की तैयारी करवानी थी। उस शो को लेकर मैं तैयारी करवा रहा था, उसे लाइन ही याद नहीं हो रही थी। ऑडिशन के दौरान उस लड़के के साथ ही गया था। तभी कास्टिंग डायरेक्टर ने मुझे बुला लिया। मैंने कहा मुझे नहीं बुलाया गया है पर उन्होंने कहा कि आ जाओ ऑडिशन दे दो। उस लड़के ने भी कहा कि दे दो ऑडिशन। ताज्जुब की बात है उस शो में उस लड़के का नहीं हुआ और मेरा हो गया। तब से उस लड़के ने मुझसे बात ही नहीं की'। करण वीर ने बिग बॉस में जाने से मना कर दिया था। उन्होंने बताया कि उन्हें लगा कि वे घर से अलग हो जाएंगे, ये सोच कर पहले मना कर दिया था। हालांकि, बाद में करियर को और ग्रोथ देने के लिए वे इस शो का हिस्सा रहे। करण वीर ने कहा कि बिग बॉस में कई सारे लोग पहले कुछ दिन तो खुले नहीं थे। उन्हें लगता था कि कैमरा देख रहा है। मुझे लगता था कि मेरी मम्मी देख रही हैं, इसलिए मैंने किसी को गाली नहीं दी।

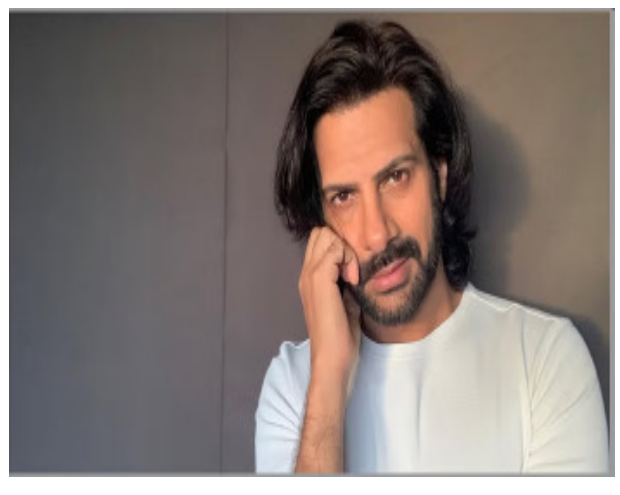

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।